दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार

National Award for the Empowerment of Persons with Disabilities (Divyangjan)

2021 & 2022

प्रशस्तियां
CITATIONS

सत्यमेव जयते

दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग
सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय
भारत सरकार
Department of Empowerment of Persons with Disabilities (Divyangjan)
Ministry of Social Justice & Empowerment,
Government of India

परिचय

नीतिगत मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने तथा दिव्यांगजनों के कल्याण और सशक्तिकरण के उद्देश्य से गतिविधियों पर सार्थक बल देने के लिए सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय में से 12 मई, 2012 को एक अलग निःशक्तता कार्य विभाग बनाया गया था। 8 दिसंबर 2014 को इस विभाग का नाम बदलकर दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग कर दिया गया। यह विभाग दिव्यांगता और दिव्यांगजनों से संबंधित मामलों के लिए एक नोडल एजेंसी के रुप में कार्य करता है जिसमें विभिन्न स्टेकहोल्डरों : संबंधित केंद्रीय मंत्रालयों, राज्य/संघ राज्य क्षेत्र की सरकारों, गैर सरकारी संगठन आदि के बीच दिव्यांगता से संबंधित मामलों में घनिष्ठ समन्वय कार्य करना भी शामिल है। विभाग अपने विभिन्न अधिनियमों/संस्थाओं/संगठनों और पुनर्वास के लिए योजनाओं के माध्यम से दिव्यांगजनों को सशक्त बनाने के अपने मिशन को प्राप्त करने और एक सक्षम वातावरण बनाने के लिए काम कर रहा है जो ऐसे व्यक्तियों को समान अवसर प्रदान कर सके, उनके अधिकारों की सुरक्षा कर सके और उन्हें समाज के स्वतंत्र और उपयोगी सदस्यों के रुप में भाग लेने में सक्षम बना सके। वर्तमान में विभाग के 9 राष्ट्रीय संस्थान, 2 निगम, एक सांविधिक प्राधिकरण और 21 समेकित क्षेत्रीय केंद्र सहित 11 स्वायत्त निकाय हैं।

सरकार ने वर्ष 1969 में, नियोक्ताओं और कर्मचारियों के रुप में उत्कृष्ट दिव्यांगजनों को राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान करने की एक योजना को मंजूरी दी थी। ये पुरस्कार दिव्यांगजनों से संबंधित मुद्दों पर जनता का ध्यान केंद्रित करने और उन्हें समाज की मुख्यधारा में लाने को बढ़ावा देने के उद्देश्य से स्थापित किए गए हैं। बदलते परिदृश्य को ध्यान में रखते हुए समय-समय पर योजना के दायरे में संशोधन किया गया है।

राष्ट्रीय पुरस्कार प्रत्येक वर्ष 3 दिसंबर को उत्कृष्ट दिव्यांगजनों और दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण के लिए काम करने वाले व्यक्तियों/ संगठनों को 'अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस' पर प्रदान किए जाते हैं।

वर्ष 2017 तक, पुरस्कार योजना राष्ट्रीय पुरस्कार नियम, 2013 के तहत शासित थी तथा इसमें निःशक्तजन अधिनियम, 1995 के अनुसार दिव्यांगताओं की 7 श्रेणियों का प्रावधान था। तथापि, 19 अप्रैल 2017 से दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 के लागू होने के साथ ही नए कानून के तहत निर्दिष्ट दिव्यांगताओं की संख्या 7 से बढ़कर 21 हो गई। तदनुसार सभी 21 दिव्यांगताओं को राष्ट्रीय पुरस्कार दिशानिर्देशों में शामिल किया गया है जिन्हें भारत के असाधारण राजपत्र में दिनांक 02 अगस्त, 2018 को अधिसूचित किया गया है।

जुलाई, 2020 में गृह मंत्रालय ने सलाह दी कि पिछले कुछ वर्षों में, मंत्रालयों/विभागों में कई पुरस्कारों की स्थापना और कई पुरस्कारों के लिए बड़ी संख्या में पुरस्कार विजेताओं के चयन ने इन राष्ट्रीय पुरस्कारों से जुड़े मूल्य और प्रतिष्ठा को प्रभावित किया है। इस संबंध में माननीय प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण के बारे में सूचित किया गया है जो निम्नानुसार है:-

"सरकार द्वारा प्रदान किए जाने वाले पुरस्कार के पूरे पारिस्थितिकी तंत्र (इकोसिस्टम) को बदलना, विशेष रुप से योग्यता, निष्पक्षता, पारदर्शिता, जन-भागीदारी, सादगी, दक्षता और प्रौद्योगिकी के उपयोग पर ध्यान केंद्रित करके विश्वसनीयता और भरोसे का निर्माण करना है। और पुरस्कार विजेताओं का चयन ऐसा होना चाहिए

कि यह न केवल पुरस्कार के कद को बढ़ाता है, बल्कि उनकी असाधारण उपलब्धियों और समाज पर उनके योगदान के प्रभाव से राष्ट्र को भी प्रेरित करता है।"

दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार हेतु दिशानिर्देशों को सरल/संशोधित किया गया है और दिनांक 19 जुलाई, 2022 को भारत के असाधारण राजपत्र में अधिसूचित किया गया है। दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार हेतु संशोधित दिशानिर्देश पुरस्कार की दो मुख्य श्रेणियां प्रदान करते हैं अर्थात व्यक्तिगत उत्कृष्टता की पहली श्रेणी जिसमें पुरस्कार की 6 उप-श्रेणी शामिल है और संस्थागत सशक्तिकरण की दूसरी श्रेणी जिसमें पुरस्कार की 8 उप-श्रेणी शामिल हैं। संशोधित दिशानिर्देशों के तहत गृह मंत्रालय द्वारा डिजाइन और प्रशासित पुरस्कार पोर्टल पर (www.awards.gov.in) आवेदन /नामांकन ऑनलाइन आमंत्रित किए गए हैं ।

राष्ट्रीय पुरस्कार के लिए आवेदन/नामांकन वर्ष 2021 के साथ-साथ वर्ष 2022 के लिए भी अलग से ऑनलाइन मोड के माध्यम से केवल गृह मंत्रालय के केंद्रीकृत पोर्टल पर (www.awards.gov.in) आमंत्रित किए गए थे। यह पोर्टल 15 जुलाई, 2022 से आवेदन/नामांकन के लिए खुला था और 4 सितंबर, 2022 को बंद कर दिया गया था। दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार हेतु आवेदन/नामांकन आमंत्रित करने के लिए 14 जुलाई, 2022 को एक विज्ञापन भी जारी किया गया था । विज्ञापन विभाग की वेबसाइट पर भी होस्ट किया गया था। व्यापक कवरेज और प्रचार के लिए, दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग ने विभिन्न श्रेणियों में राष्ट्रीय पुरस्कारों के लिए नामांकन आमंत्रित करने के लिए 20 जुलाई, 2022 को राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासकों और केंद्रीय मंत्रालयों/विभागों को पत्र लिखा था। उपरोक्त के उत्तर में, पोर्टल पर वर्ष 2021 के लिए 844 आवेदन और वर्ष 2022 के लिए 1210 आवेदन प्राप्त हुए थे।

स्क्रीनिंग समितियों द्वारा चुने गए आवेदनों पर राष्ट्रीय चयन समिति द्वारा 2 नवंबर, 2022 को आयोजित अपनी बैठक में विचार किया गया था और वर्ष 2021 के लिए 25 पुरस्कार विजेताओं तथा वर्ष 2022 के लिए 29 पुरस्कार विजेताओं की सिफारिश की गई थी। ये पुरस्कार भारत की माननीया राष्ट्रपति द्वारा 3 दिसम्बर, 2022 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में प्रदान किए जाएंगे।

हम पूरी उम्मीद करते हैं कि पुरस्कार विजेताओं की उपलब्धियां दूसरों को भी इसी तरह की उपलब्धियों का अनुकरण करने के लिए प्रोत्साहित और प्रेरित करेंगी ।

INTRODUCTION

In order to give focused attention to policy issues and meaningful thrust to the activities aimed at welfare and empowerment of the Persons with Disabilities (PwDs), a separate Department of Disability Affairs was carved out of the Ministry of Social Justice and Empowerment on May 12, 2012. The Department was renamed as Department of Empowerment of Persons with Disabilities on December 8, 2014. The Department acts as a nodal agency for matters pertaining to disability and persons with disabilities including effecting closer coordination among different stakeholders: related Central Ministries, State/UT Governments, NGOs etc. in matters pertaining to disability. The Department is working to achieve its mission of empowering persons with disabilities through its various Acts/ Institutions/ Organizations and Schemes for rehabilitation and to create an enabling environment that provides such persons with equal opportunities, protection of their rights and enables them to participate as independent and productive members of society. The Department has presently 11 autonomous bodies including 9 National Institutes, 2 corporations, one statutory authority and 21 Composite Regional Centres.

In 1969, the Government approved a scheme for presenting National Award to outstanding persons with disabilities (Divyangjan) as employers and employees.These Awards have been instituted with the objective of focusing public attention on issues concerning persons with disabilities and promote their mainstreaming in society. The scope of the scheme has been amended from time to time, keeping in view the changing scenario.

The National Awards are conferred on 3rd December every year on the 'International Day of Persons with Disabilities' on outstanding Persons with Disabilities (Divyangjan) and individuals/organizations who are working for the empowerment of persons with disabilities.

Till 2017, the Award Scheme was governed under the National Award Rules, 2013 which provided 7 categories of disabilities as per the Persons with Disabilities Act, 1995. However, with the coming into force of the Rights of Persons with Disabilities Act, 2016 w.e.f. 19th April 2017, the number of specified disabilities increased from 7 to 21 under the new Law. Accordingly all the 21 disabilities were included under the National Award Guidelines notified in the Extra-ordinary Gazette of India dated 2nd August, 2018.

In July, 2020 MHA advised that over the years, with the institution of multiple Awards across Ministries/Departments and the selection of a large number of Awardees for many Awards have impacted the value and prestige associated with these National Awards. In this connection vision of the Hon'ble Prime Minister has been communicated which is as under:-

"To transform the entire ecosystem of Award conferred by the Government especially building credibility and trust by focusing on merit, objectivity, transparency, people-participation, simplicity, efficiency and use of technology. And that selection of awardees may be such that it not only elevates the stature of the award but also inspires the Nation by their exceptional achievements and impact of their contributions on society".

The Guidelines for the National Award for Empowerment of Persons with Disabilities have since been simplified/revised and notified in extra-ordinary Gazette of India dated 19th July, 2022. The revised Guidelines for National Award for Empowerment of Persons with Disabilities provide two main categories of Award i.e. first category of Individual Excellence consisting 6 sub-category of Award and the other category of Institutional Empowerment consisting of 8 sub-category of Award. Under the revised Guidelines applications/ nominations have been invited online on the award portal designed and administered by the Ministry of Home Affairs (www.Award.gov.in).

Applications/nominations for the National Award were invited for the year 2021, as also for the year 2022 separately through online mode only on the centralized portal of Ministry of Home Affairs (www.awards.gov.in). The portal was opened for applications/nominations w.e.f. 15th July, 2022 and closed on 4th September, 2022. An advertisement was also issued on 14th July, 2022 inviting applications/nominations for National Award for Empowerment of Persons with Disabilities. The advertisement was also hosted on the website of the Department. For wider coverage and publicity, the Department of Empowerment of Persons with Disabilities (Divyangjan) wrote letters to the State Governments/Union Territory Administrators and Central Ministries/Departments on 20th July, 2022 calling nominations for National Award in various categories. In response to the above, 844 applications for the year 2021 and 1210 applications for the year 2022 were received on the portal.

The applications shortlisted by the Screening Committees were considered by the National Selection Committee in its meeting held on 2nd November, 2022 and recommended 25 awardees for the year 2021 and 29 awardees for the year 2022. These Awards will be conferred by the Hon'ble President of India on 3rd December, 2022 at Vigyan Bhavan, New Delhi.

We earnestly hope that the achievements of the Awardees will motivate and inspire others to emulate for similar accomplishments.

विषय सूची

क्र.सं.	श्रेणी			पृष्ठ सं.
I.	**व्यक्तिगत उत्कृष्टता - 2021**			
	1)	**सर्वश्रेष्ठ दिव्यांगजन**		
		1.	सुश्री मृदु राम गोयल	1
		2.	सुश्री विद्या वाई	2
		3.	सुश्री पूजा ओझा	3
		4.	श्री अतुल जायसवाल	4
		5.	डॉ. वैभव भण्डारी	5
		6.	श्री अशोक तुकाराम भोईर	6
	2)	**श्रेष्ठ दिव्यांगजन**		
		क.	**गतिविषयक दिव्यांगता - (गतिविषयक, मस्कुलर दिव्यांगता, बौनापन, तेजाब हमला पीड़ित, कुष्ठ रोग उपचारित, प्रमस्तिष्क घात)**	
			क) सुश्री कुमारी वैष्णवी	7
			ख) श्री सुब्बैया तिरुमलेकुमार.	8
		ख.	**दृष्टि बाधिता -(दृष्टिहीनता, कम दृष्टि)**	
			क) सुश्री शेन्बगवल्ली वे	9
			ख) श्री हिमांशु जयंतीलाल सोमपुरा	10
		ग.	**श्रवण बाधिता - (बधिर, कम सुनने वाला, वाक् और भाषा दिव्यांगता)**	
			(क) सुश्री अंजलि	11
			(ख) श्री मनोज पई	12
		घ.	**बौद्धिक दिव्यांगता – (मानसिक मंदता, मानसिक व्यवहार, विशिष्ट अधिगम दिव्यांगता, ऑटिज़्म स्पेक्ट्रम विकार)**	
			(क) सुश्री इंदु उमा एलिलारास	13
			(ख) श्री प्रमोद धर दुबे	14
		ड़.	**उपरोक्त (क) से (घ) तक उल्लिखित दिव्यांगताओं के अतिरिक्त कोई विनिर्दिष्ट दिव्यांगता**	
			(क) सुश्री विमल पोपट गव्हाणे	15
			(ख) डॉ. शुभम रामनारायण धूत	16
	3)	**श्रेष्ठ दिव्यांग बालक/बालिका**		
		(क) सुश्री फातिमा अंशी टी. के.		17
		(ख) श्री विनायक बहादुर		18

क्र.सं.	श्रेणी			पृष्ठ सं.
	4)	**सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति - दिव्यांगजनो के सशक्तिकरण के लिए कार्यरत**		
		1. श्री बुद्धदेव दास		19
	5)	**सर्वश्रेष्ठ पुनर्वास पेशेवर (पुनर्वास पेशेवर /कार्यकर्ता) - दिव्यांगता के क्षेत्र में कार्यरत**		
		1. डॉ. खेम आनंद भट्ट		20
	6)	**सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान/नवप्रवर्तन/उत्पाद विकास दिव्यांगता के सशक्तिकरण के क्षेत्र में**		
		1. श्री अंकित राजीव जिंदल		21
II.	**दिव्यांगजनों को सशक्त बनाने में सम्मिलित संस्थानों के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार- 2021**			
	1.	**दिव्यांग सशक्तिकरण हेतु सर्वश्रेष्ठ संस्थान (निजी संगठन, एनजीओ)**		
		1. अमर ज्योति चैरिटेबल ट्रस्ट		22
	2.	**सर्वश्रेष्ठ सुगम्य यातायात के साधन/सूचना एवं संचार प्रोद्योगिकी (सरकारी/ निजी संगठन)**		
		1. ई-समिति, भारत का सर्वोच्च न्यायालय		23
	3.	**दिव्यांगजनों के अधिकार अधिनियम/यूडीआईडी एवं दिव्यांग सशक्तिकरण की अन्य योजनाओं के कार्यवन्वयन में सर्वश्रेष्ठ राज्य/संघ राज्य क्षेत्र /जिला**		
		1. जिला परिषद् अकोला, महाराष्ट्र.		24
	4.	**पुनर्वासन पेशेवरों के विकास में कार्यरत सर्वश्रेष्ठ संगठन**		
		1. उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी		25
III.	**दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार -2022**			
	क.	**सर्वश्रेष्ठ दिव्यांगजन**		
		महिला -		
		1.	डॉ. पद्मावती पोट्टाबथिनी,	26
		2.	डॉ. नीलिमा ढींगरा पस्सी.	27
		3.	सुश्री पून्गुयली म	28
		सर्वश्रेष्ठ दिव्यांगजन		
		1.	प्रोफ़ेसर सोमेश्र्वर सती	29
		2.	श्री अपूर्व कुलकर्णी	30
		3.	श्री जयसिंग कृष्णरावजी चव्हाण	31

क्र.सं.	श्रेणी			पृष्ठ सं.
	ख.	**श्रेष्ठ दिव्यांगजन**		
		क.	**गतिविषयक दिव्यांगता - (गतिविषयक, मस्कुलर दिव्यांगता, बौनापन, तेजाब हमला पीड़ित, कुष्ठ रोग उपचारित, प्रमस्तिष्क घात)**	
			(क) सुश्री इंशा बशीर	32
			(ख) डॉ. सत्य नारायण मिश्र	33
		ख.	**दृष्टि बाधिता - (दृष्टिहीनता, कम दृष्टि)**	
			(क) सुश्री शर्मिष्ठा अत्रेजा	34
			(ख) श्री अभिषेक ठाकुर	35
		ग.	**श्रवण बाधिता - (बधिर, कम सुनने वाला, वाक् और भाषा दिव्यांगता)**	
			(क) सुश्री टेम्सुतोला जमीर	36
			(ख) श्री बिजेंदर खटाना	37
		घ.	**बौद्धिक दिव्यांगता – (मानसिक मंदता, मानसिक व्यवहार, विशिष्ट अधिगम दिव्यांगता, ऑटिज़्म स्पेक्ट्रम विकार)**	
			(क) सुश्री अपर्णा रोय	38
			(ख) श्री रघुनाथ सिंह कुटलेहड़िया	39
		ड़.	**उपरोक्त (क) से (घ) तक उल्लिखित दिव्यांगताओं को छोड़कर कोई विनिर्दिष्ट दिव्यांगता**	
			(क) सुश्री पूजा गुप्ता	40
			(ख) श्री कृष्णा कुमार एम. पी.	41
	ग.	**श्रेष्ठ दिव्यांग बालक/बालिका**		
		(क) सुश्री श्रेया मिश्रा		42
		(ख) अवनीश तिवारी		43
	घ.	**सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति - दिव्यांगजनो के सशक्तिकरण के लिए कार्यरत**		
		(क) पूजा सुरेशभाई वघासिया		44
		(ख) श्री हरमनजीत सिंह		45
	ड़.	**सर्वश्रेष्ठ पुनर्वास पेशेवर (पुनर्वास पेशेवर/कार्यकर्ता) - दिव्यांगता के क्षेत्र में कार्यरत**		
		(क) डॉ. वीरेंद्र किशन शांडिल्य		46
	च.	**सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान/नवप्रवर्तन/उत्पाद विकास - दिव्यांगता के सशक्तिकरण के क्षेत्र में**		
		(क) डॉ. भाऊसाहेब अशोक बोत्रे		47

क्र.सं.	श्रेणी		पृष्ठ सं.
IV.	**दिव्यांगजनों को सशक्त बनाने में सम्मिलित संस्थानों के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार- 2022**		
	क)	**दिव्यांग सशक्तिकरण हेतु सर्वश्रेष्ठ संस्थान - (निजी संगठन, एनजीओ)**	
		(क) महात्मा गांधी सेवा संघ, औरंगाबाद	48
		(ख) बलवंत राय मेहता विद्या भवन अंगूरीदेवी शेरसिंह मेमोरियल एकेडमी, नई दिल्ली	49
	ख)	**दिव्यांगों के लिए सर्वश्रेष्ठ नियोक्ता - (सरकारी संगठन/ सार्वजनिक क्षेत्रक उद्यम (पीएसई) / स्वायत्त निकाय / निजी क्षेत्रक)**	
		(क) मेसर्स एसन्च्युर सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड	50
	ग)	**दिव्यांगों के लिए सर्वश्रेष्ठ प्लेसमेंट एजेंसी - सरकारी/ राज्य सरकार / स्थानीय निकायों को छोड़कर**	
		(क) डॉ. रेड्डीज फाउंडेशन	51
	घ)	**सुगम्य भारत अभियान के कार्यान्वयन/बाधामुक्त वातावरण के सृजन में सर्वश्रेष्ठ राज्य/संघ राज्य क्षेत्र/जिला**	
		(क) महाराष्ट्र राज्य	52
	ङ)	**दिव्यांगजनों के अधिकार अधिनियम/यूडीआईडी एवं दिव्यांग सशक्तिकरण की अन्य योजनाओं के कार्यन्वयन में सर्वश्रेष्ठ राज्य/संघ राज्य क्षेत्र/जिला**	
		(क) जिला प्रशासन - अलवर महल चौक, अलवर, राजस्थान	53
	च)	**दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 का अपने राज्य में कार्यान्वयन में सर्वश्रेष्ठ राज्य आयुक्त दिव्यांगजन**	
		(क) राज्य आयुक्त दिव्यांगजन हरियाणा	54

INDEX

Sr. No.	Category			Page No.
I.	**Individual Excellence - 2021**			
	1)	**Sarvshrestha Divyangjan**		
		1.	Sushri Mridu Ram Goel	1
		2.	Sushri Vidhya Y	2
		3.	Sushri Pooja Ojha	3
		4.	Shri Atul Jaiswal	4
		5.	Dr. Vaibhav Bhandari	5
		6.	Shri Ashok Tukaram Bhoir	6
	2)	**Shrestha Divyangjan**		
		A.	**Locomotor Disability - (Locomotor, Muscular Disability, Dwarfism, Acid Attack VictiSushri, Leprosy Cured, Cerebral Palsy).**	
			a. Sushri Kumari Vaishnavi	7
			b. Shri Subbaiah Thirumalai Kumar.	8
		B.	**Visual Impairment -(Blindness, Low Vision)**	
			a. Sushri Shenbagavalli VLANOORA	9
			b. Shri Sompura Himanshu Jayantilal	10
		C.	**Hearing Impairment - (Deaf, Hard of Hearing, Speech & Language disability)**	
			a. Sushri Anjali	11
			b. Shri Manoj Shreedhar Pai	12
		D.	**Intellectual Disability – (Mental Retardation, Mental Behavior, Specific Learning Disability, Autism Spectrum Disorder,)**	
			a. Sushri Indhu Uma Elilarass	13
			b. Shri Pramod Dhar Dubey	14
		E.	**Any specified disability except the disabilities mentioned from Sr. (a) to (d) above.**	
			a. Sushri Vimal Popat Gavhane	15
			b. Dr. Shubham Ramnarayan Dhoot	16
	3)	**Shrestha Divyang Bal/Balika**		
		a.	Sushri Fathima Anshi T K	17
		b.	Shri Vinayak Bahadur	18

Sr. No.	Category		Page No.
	4)	**Sarvshrestha Vyakti - Divyangjano Ke Sashaktikaran Ke Liye Karyarath**	
		1. Shri Buddhadev Das.	19
	5)	**Sarvshrestha Punarvas Peshevar (Rehabilitation Professional/worker) - Divyangatha Ke Kheshtra Mein Karyarath**	
		1. Dr. Khem Anand Bhatt	20
	6)	**Sarvshrestha Anusandhan/ Navpravartan /Utpad Vikas Divyangatha Ke Sashaktikaran Ke Kheshtra Mein**	
		1. Shri Ankit Rajiv Jindal	21
II.	**National Award for Institutions engaged in Empowering persons with disabilities - 2021**		
	1.	**Divyang Sashaktikaran Hetu Sarvshrestha Sansthan (Private organization, NGO)**	
		1. Amar Jyoti Charitable Trust	22
	2.	**Sarvshrestha Sugamya Yatayat ke Sadahan/ Soochana Evem Sanchar Prodyogiki (Govt./Private organization)**	
		1. E-Committee Supreme Court of India	23
	3.	**Divyangjano Ke Adhikar Adhiniyam/ UDID Evem Divyang Sashaktikaran ki Anya Yojanaon ke Karyanvayan Mein Sarvshrestha Rajya/UT/Zila**	
		1. Zilla Parishad Akola, Maharastra	24
	4.	**Punarvasan Peshewaron Ke Vikas Mein Sanlangn Sarvshrestha Sangathan**	
		1. Uttrakhand Open University	25
III.	**National Award for Empowerment of Persons with Disabilities -2022**		
	A.	**Sarvshrestha Divyangjan**	
		Female -	
		1. Dr. Pottabathini Padmavathi	26
		2. Dr. Neelima Dhingra Passi	27
		3. Sushri. M Poonguzhali	28
		Male –	
		1. Prof. Someshwar Sati	29
		2. Shri Apoorv Kulkarni	30
		3. Shri Jaysingh Krushnaro Chavhan	31

Sr. No.	Category				Page No.
	B.	**Shrestha Divyangjan**			
		a.	**Locomotor Disability - (Locomotor, Muscular Disability, Dwarfism, Acid Attack VictiSushri, Leprosy Cured, Cerebral Palsy).**		
			1.	Sushri Inshah Bashir	32
			2.	Dr. Satya Narayan Mishra	33
		b.	**Visual Impairment -(Blindness, Low Vision)**		
			1.	Sushri Sharmishthaa Atreja	34
			2.	Shri Abhishek Thakur	35
		c.	**Hearing Impairment - (Deaf, Hard of Hearing, Speech & Language disability)**		
			1.	Sushri TeSushriutola Jamir	36
			2.	Shri Bijender Kahtana	37
		d.	**Intellectual Disability – (Mental Retardation, Mental Behavior, Specific Learning Disability, Autism Spectrum Disorder,)**		
			1.	Sushri Aparna Roy	38
			2.	Shri Raghunath Singh Kutlehria	39
		e.	**Any specified disability except the disabilities mentioned from Sr. (a) to(d) above).**		
			1.	Sushri Pooja Gupta	40
			2.	Shri Krishnakumar M.P.	41
	C.	**Shrestha Divyang Bal/Balika**			
		1.	Sushri Shreya Mishra		42
		2.	Master Avnish Tiwari		43
	D.	**Sarvshrestha Vyakti - Divyangjano Ke Sashaktikaran Ke Liye Karyarath**			
		1.	Sushri Pooja Sureshbhai Vaghasiya		44
		2.	Shri Harmanjit Singh		45
	E.	**Sarvshrestha Punarvas Peshevar (Rehabilitation Professional/worker) - Divyangatha Ke Kheshtra Mein Karyarath**			
		1.	Dr. Veerendra Kishan Shandilya		46
	F.	**Sarvshrestha Anusandhan/ Navpravartan / Utpad Vikas - Divyangatha Ke Sashaktikaran Ke Kheshtra Mein**			
		1.	Dr. Bhausaheb Ashok Botre		47

Sr. No.		Category	Page No.
IV.		**National Award for Institutions engaged in Empowering persons with disabilities - 2022**	
	a.	**Divyang Sashaktikaran Hetu Sarvshrestha Sansthan - (Private organization, NGO)**	
		i. Mahatma Gandhi Seva Sangh – Aurangabad	48
		ii. Balvantray Mehta Vidya Bhawan Anguridevi Shersingh Memorial Academy, New Delhi	49
	b.	**Divyangao Ke Liye Sarvshrestha Niyoktha - (Govt. organisation/ PSEs/ Autonomous bodies/ Pvt.Sector)**	
		i. M/s Accenture Solutions Pvt Ltd	50
	c.	**Divyangao Ke Liye Sarvshrestha Placement Agency – excluding Govt./State Govt./ Local Bodies**	
		i. DR. Reddys Foundation	51
	d.	**Sugamya Bharat Abhiyan Ke Karyanvayan/ Badhamukta Bhatavaran Ke Srijan Mein Sarvshrestha Rajya/UT/Zila**	
		i. State of Maharashtra	52
	e.	**Divyangjano Ke Adhikar Adhiniyam/UDID Evem Divyang Sashaktikaran ki Anya Yojanaon ke Karyanvayan Mein Sarvshrestha Rajya/UT/Zila**	
		i. District Administration - Alwar Mahal Chowk, Alwar, Rajasthan	53
	f.	**Divyangjano Ke Adhikar Adhiniyam, 2016 Ke Apne Rajya Mein Karyanvayan Mein Sarvshrestha Rajya Aayukta Divayngjan**	
		i. State Commissioner for the Person with Disabilities Haryana	54

व्यक्तिगत उत्कृष्टता 2021 के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार - सर्वश्रेष्ठ दिव्यांगजन
National Award for Individual Excellence 2021- Sarvshrestha Divyangjan

सुश्री मृदु राम गोयल
15/1 चौधरी स्क्वायर,
महानगर रेलवे क्रॉसिंग के पास,
लखनऊ - 226007

Sushri Mridu Ram Goel
15/1 Chowdhary Square,
Near Mahanagar Railway Crossing,
Lucknow - 226007

सुश्री मृदु राम गोयल, 66 वर्ष, 81% गतिविषयक दिव्यांगता ग्रसित हैं। उन्होंने एक्सेस ऑडिट में विशेषज्ञता प्राप्त कर ली है। वह लखनऊ में सरकारी भवनों में रैंप के निर्माण से संबंधित मामलों को उठाती रही हैं तथा ट्रैफिक पुलिस, यूपी को दिव्यांगजनों के वाहनों के लिए विशेष पार्किंग का प्रावधान करने और उनकी कारों के लिए विशेष पार्किंग स्टिकर जारी करने के लिए भी जागरूक करती रही हैं। दिव्यांगता के क्षेत्र में किए गए उत्कृष्ट कार्य के लिए उन्हें वर्ष 1997 में 'सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी का राष्ट्रीय पुरस्कार' और वर्ष 2006 में 'यूपी राज्य महिला आयोग राज्य पुरस्कार' दिया गया था।

सर्वश्रेष्ठ दिव्यांगजन की श्रेणी में व्यक्तिगत उत्कृष्टता 2021 का राष्ट्रीय पुरस्कार सुश्री मृदु राम गोयल को उनकी उत्कृष्ट उपलब्धियों और गतिविषयक दिव्यांगता ग्रस्त व्यक्ति होने के बावजूद दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण के लिए कार्य करने के लिए प्रदान किया जाता है।

Sushri Mridu Ram Goel, 66 years old has 81% of locomotor disability. She has acquired expertise in Access Audit. She had been taking up matters relating to the construction of ramps in Government buildings in Lucknow as also sensitised Traffic Police, U.P. to make provision for Special Parking for the vehicles of persons with disabilities and to issue special parking stickers for their cars. For the outstanding work done in the field of disability she was given 'the National Award for Best Employee' in 1997 besides 'U.P. Rajya Mahila Ayog State Award' in the year 2006.

The National Award for Individual Excellence 2021 in the category of Sarvshrestha Divyangjan is conferred on Sushri Mridu Ram Goel for her excellent achievements and work for the empowerment of persons with disabilities despite being a person with locomotor disability.

व्यक्तिगत उत्कृष्टता 2021 के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार - सर्वश्रेष्ठ दिव्यांगजन
National Award for Individual Excellence 2021- Sarvshrestha Divyangjan

सुश्री विद्या वाई
वार्शनिलय, इंदालबेले रोड,
अत्तीबेले, अनेकल तालुक,
बैंगलोर -562107

Sushri Vidhya Y
Varshanilaya, Indalabele Road,
Attibele, Anekal Taluk,
Bangalore -562107

सुश्री विद्या य., 29 वर्ष, जन्म से ही 100% दृष्टिबाधित हैं। दिव्यांग होने के बावजूद उन्होंने पोस्ट ग्रेजुएशन (एम. एससी डिजिटल सोसाइटी) किया है। उन्होंने वर्ष 2017 में विजन एम्पॉवर (वीई) की स्थापना की जिसे आईआईआईटीबी इनोवेशन सेंटर में आरंभ किया गया था। वीई (लाभ रहित संगठन) पोर्टफोलियो में वर्तमान में विज्ञान, गणित, कम्प्यूटेशनल थिंकिंग और डिजिटल साक्षरता तथा दृष्टिबाधित बच्चों के लिए बचपन के प्रारंभ में देखभाल और शिक्षा शामिल है। वर्ष 2020 में, उन्होंने दृष्टिबाधित छात्रों के लिए शिक्षा को सुगम्य और समावेशी बनाने के लिए सहायक प्रौद्योगिकी समाधानों को डिजाइन और उसका निर्माण करने के लिए "वेम्बी टेक्नोलॉजीज" की सह-स्थापना की। वेम्बी ने डिजिटल प्रिंट को ब्रेल में स्वचालित रूप से परिवर्तित करने हेतु बच्चों के लिए हेक्सिस-अंतरा नामक दुनिया का सबसे किफायती इलेक्ट्रॉनिक ब्रेल बुक रीडिंग सोल्यूशन विकसित किया है। वह ब्रिटिश उच्चायोग नई दिल्ली द्वारा आयोजित एक दिन की चुनौती 2017 के लिए मान्यता प्रमाण पत्र के प्राप्तकर्ता हैं।

सुश्री विद्या य. को 100% दृष्टिबाधित व्यक्ति होने के बावजूद शैक्षिक सशक्तिकरण के क्षेत्र में उनकी उपलब्धियों के लिए सर्वश्रेष्ठ दिव्यांगजन की श्रेणी के तहत व्यक्तिगत उत्कृष्टता-2021 के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार दिया जाता है।

Sushri Vidhya Y, 29 years old is 100% visually impaired since birth. Despite disability, she has done Post Graduation (M.Sc digital society). She founded Vision Empower (VE) in 2017 which was incubated at the IIITB Innovation Center. The VE (Not for Profit Organization) portfolio currently includes Science, Mathematics, Computational Thinking and Digital Literacy and Early Childhood Care and Education for children with visual impairment. In 2020, she also co-founded "Vembi Technologies" to design and manufacture assistive technology solutions to make education accessible and inclusive for visually impaired students. Vembi has developed the world's most affordable electronic Braille book reading solution for children called Hexis-Antara to automatically convert digital print to braille. Recipient of Certificate of recognition for a day challenge 2017 organized by British High Commission New Delhi.

The National Award for Individual Excellence in the category of Sarvshrestha Divyangjan for the year 2021 is conferred on Sushri Vidhya Y, for her accomplishments in the field of educational empowerment despite being a person with 100% visual disability.

व्यक्तिगत उत्कृष्टता 2021 के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार - सर्वश्रेष्ठ दिव्यांगजन
National Award for Individual Excellence 2021- Sarvshrestha Divyangjan

सुश्री पूजा ओझा
भदौरिया नगर, उद्योग केंद्र के सामने,
लहार रोड, भिंड, मध्य प्रदेश
7987807255

Sushri Pooja Ojha
Bhadouriya Nagar, Udhyog Kendra Ke Samne, Lahar Road, Bhind
Madhya Pradesh
7987807255

सुश्री पूजा ओझा 80% गतिविषयक दिव्यांगता ग्रसित है। उन्होंने पैरा कैनो स्पोर्ट्स के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। उन्होंने 4 देशों यानी थाईलैंड, हंगरी, जापान और कनाडा में भारत का प्रतिनिधित्व किया। हाल ही में, कनाडा में उन्होंने 3 से 7 अगस्त, 2022 तक हैलिफ़ैक्स में आयोजित आईसीएफ वर्ल्ड पैरा कैनो चैंपियनशिप में रजत पदक जीता है।

खेलों में सुश्री पूजा ओझा के उत्कृष्ट प्रदर्शन को मान्यता देने के लिए, उन्हें सर्वश्रेष्ठ दिव्यांगजन-2021 की श्रेणी में व्यक्तिगत उत्कृष्टता के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किया जाता है।

Sushri Pooja Ojha has locomotor disability of 80%. She excels in the area of para canoe sports. She represented India in 4 countries i.e. Thailand, Hungary, Japan, and Canada. Recently, in Canada she has won silver medal in ICF World Para Canoe Championships held at Halifax from August 3 to 7, 2022.

In recognition of the outstanding performance of Sushri Pooja Ojha in sports, she receives the National Award for Individual Excellence in the category of Sarvshrestha Divyangjan - 2021.

व्यक्तिगत उत्कृष्टता 2021 के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार - सर्वश्रेष्ठ दिव्यांगजन

National Award for Individual Excellence 2021- Sarvshrestha Divyangjan

श्री अतुल जायसवाल
बी 43, इंदिरा विहार कॉलोनी, सरकंडा, बिलासपुर, डाकघर एसईसीएल बिलासपुर, छत्तीसगढ़ - 495006

Shri Atul Jaiswal
B 43, Indira Vihar Colony, Sarkanda, Bilaspur, Post Office SECL Bilaspur, Chhattisgarh - 495006

श्री अतुल जायसवाल आयु 25 वर्ष, जन्म से ही 100% श्रवण बाधित हैं। उन्होंने खेल के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। डाक पत्रों के लिए एक छंटनी सहायक होने के नाते, वह तैराकी के लिए भी जुनूनी रहे और तैराकी के विभिन्न रुपों जैसे 100 मीटर बटरफ्लाई, 200 मीटर ब्रेस्ट स्ट्रोक, पुरुष 400 मीटर व्यक्तिगत मेडले में पदक जीते हैं। अतुल दिव्यांग बच्चों के लिए प्रेरणा के आदर्श स्रोत हैं।

श्री अतुल जायसवाल को श्रवण बाधित व्यक्ति होते हुए खेल के क्षेत्र में उनकी उपलब्धियों के लिए वर्ष 2021 के लिए सर्वश्रेष्ठ दिव्यांगजन की श्रेणी में व्यक्तिगत उत्कृष्टता के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किया जाता है।

Shri Atul Jaiswal aged 25, is a person with disability of 100% hearing impairment since birth. He has excelled in the field of sports. Being a Sorting Assistant for postal letters, he also remained passionate for swimming and won medals in various forms of swimming for e.g. 100 mtr butterfly, 200 mtr breast stroke, Men 400 mtr individual Medley. Atul is an ideal source of inspiration for Divyang children.

The National Award for Individual Excellence in the category of Sarvshrestha Divyangjan for the year 2021 is conferred on Shri Atul Jaiswal, for his accomplishments in the field of sports being a person with hearing impairment.

व्यक्तिगत उत्कृष्टता 2021 के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार - सर्वश्रेष्ठ दिव्यांगजन

National Award for Individual Excellence 2021- Sarvshrestha Divyangjan

डॉ. वैभव भण्डारी
67, आदर्श नगर,
पाली,
राजस्थान

Dr. Vaibhav Bhandari
67, Adarsh Nagar,
Pali,
Rajasthan

डॉ. वैभव भण्डारी, 33 वर्ष को जन्म से ही मस्कुलर डिस्ट्रॉफी (मांसपेशीय दुर्विकार) (82%) है। उन्होंने बीकॉम, एलएलबी एलएलएम और क्लीनिकल साइकोलॉजी में डिप्लोमा किया है। उन्होनें वर्ष 2018 में राजस्थान सरकार से 'प्रेरणा के स्रोत' की श्रेणी के लिए पुरस्कार प्राप्त किया है। हाल ही में, अगस्त 2022 में स्वाधीनता दिवस के अवसर पर उन्हें दुर्लभ बीमारियों से पीड़ित लोगों की मदद करने के लिए पुरस्कृत किया गया है, साथ ही राजस्थान सरकार द्वारा वर्ष 2019 में आम चुनावों के दौरान दिव्यांगजनों द्वारा मतदान की सुविधा सहित दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण से संबंधित मुद्दों पर भी सम्मानित किया गया है।

सामाजिक कार्य के क्षेत्र में डॉ. वैभव भण्डारी के प्रेरक प्रदर्शन को मान्यता देने के लिए, उन्हें सर्वश्रेष्ठ दिव्यांगजन की श्रेणी में व्यक्तिगत उत्कृष्टता 2021 का राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किया जाता है।

Dr. Vaibhav Bhandari aged 33 years has muscular dystrophy (82%) since Birth. He has done B.Com., LLB LLM and Diploma in Clinical Psychology. He is a recipient of the Award for the category of ‘Source of Inspiration’ from Govt. of Rajasthan in the year 2018. Recently on the occasion of Swadheenta Diwas in August 2022 he has been awarded for helping people with rare diseases, as also issues relating to the empowerment of Persons with Disabilities including facilitation of voting by divyangjan during General Elections in 2019 by Government of Rajasthan.

In recognition of the inspiring performance of Dr. Vaibhav Bhandari in the field of social work, he is given the National Award for Individual Excellence 2021 in the category of Sarvshrestha Divyangjan.

व्यक्तिगत उत्कृष्टता 2021 के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार - सर्वश्रेष्ठ दिव्यांगजन
National Award for Individual Excellence 2021- Sarvshrestha Divyangjan

श्री अशोक तुकाराम भोईर
330 दत्ता मंदिर के पास, जेल रोड,
उम्ब्रडे गांव, कल्याण, ठाणे,
महाराष्ट्र - 421301

Shri Ashok Tukaram Bhoir
330 Near Datta Mandir, Jail Road,
Umbrde Gaon, Kalyan, Thane,
Maharashtra – 421301

श्री अशोक तुकाराम भोईर, आयु 54 वर्ष, जन्म से ही 75% गतिविषयक दिव्यांगता होने के बावजूद एक खिलाड़ी हैं। उन्होंने शॉट पुट, भाला फेंक, साथ ही इवेंट मैनेजमेंट/डेकोरेशन सर्विसेज में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। उन्होंने 2018-2021 के बीच 4 अंतर्राष्ट्रीय इवेंट्स में भाग लिया है। वे सेरेमोनियल डेकोरेशन के क्षेत्र में बिजनेस में सफल रहे हैं। उन्होंने समाज में दिव्यांगजनों को रोजगार उपलब्ध कराया है। उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए उन्हें मार्च, 2016 में महाराष्ट्र सरकार द्वारा दिव्यांगजन साहित्य कला पुरस्कार दिया गया था।

सामाजिक कार्य के क्षेत्र में उनकी उत्कृष्ट उपलब्धियों की मान्यता में, श्री अशोक तुकाराम भोईर को सर्वश्रेष्ठ दिव्यांगजन की श्रेणी में व्यक्तिगत उत्कृष्टता 2021 के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किया जाता है।

Shri Ashok Tukaram Bhoir, aged 54, is a sportsperson despite having locomotor disability of 75% since birth. He has excelled in Shot Put, Javelin throw, as also in Event Management / Decoration Services. He participated in 4 International events between 2018-2021. He has been successful in business in the field of Ceremonial Decoration. He has provided employment to differently abled in society. For outstanding work he was given Divyangjan Sahitya Kala award by the Government of Maharashtra in March, 2016.

In recognition of his outstanding achievements in the field of social work, Shri Ashok Tukaram Bhoir is given the National Award for Individual Excellence 2021 in the category of Sarvshrestha Divyangjan.

व्यक्तिगत उत्कृष्टता 2021 के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार - श्रेष्ठ दिव्यांगजन - गतिविषयक दिव्यांगता

National Award for Individual Excellence 2021- Shrestha Divyangjan - Locomotor Disability

सुश्री कुमारी वैष्णवी
मौर्य बिहार कॉलोनी, पुलिस चौकी,
ट्रांसपोर्ट नाहर, पटना
बिहार- 800026

Sushri Kumari Vaishnavi
Maurya Bihar colony, Police Chowki,
Transport Nahar, Patna
Bihar- 800026

सुश्री कुमारी वैष्णवी, 34 वर्ष, 72% गतिविषयक दिव्यांगता ग्रस्त है। उन्होंने ग्रेजुएशन किया है। वह स्व-नियोजित और एक सामाजिक कार्यकर्ता हैं। उन्होंने राष्ट्रीय खेल एबिलिम्पिक्स में भाग लिया है और वर्ष 2008 में कांस्य और वर्ष 2014 में स्वर्ण पदक जीता है। दिव्यांगजनों के कौशल विकास और सशक्तिकरण में उनके द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्यों के लिए, उन्हें राज्य स्तर पर विभिन्न संगठनों द्वारा 2013 से 2019 तक कई पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है।

श्रेष्ठ दिव्यांगजन श्रेणी के तहत व्यक्तिगत उत्कृष्टता 2021 के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार सुश्री कुमारी वैष्णवी को दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण में उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रदान किया जा रहा है।

Sushri Kumari Vaishnavi aged 34 has Locomotor Disability of 72%. She has done Graduation. She is self-employed and a social worker. She has participated in National Sports Abilympics, and won bronze in 2008 and gold medal in 2014. For the outstanding work done by her in the skill development and empowerment of persons with disabilities, she has been given a number of awards at the state level from 2013 to 2019 by various organisations.

The National Award for Individual Excellence 2021 under the category Shrestha Divyangjan is being given to Sushri Kumari Vaishnavi for her outstanding work in empowerment of persons with disabilities.

व्यक्तिगत उत्कृष्टता 2021 के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार - श्रेष्ठ दिव्यांगजन - गतिविषयक दिव्यांगता

National Award for Individual Excellence 2021- Shrestha Divyangjan - Locomotor Disability

श्री सुब्बैया तिरुमलेकुमार
3/41, ए मरिअम्मन कोविल स्ट्रीट,
थलवैपुरम, राजपालायम तालुक,
विरुधुनगर,
तमिलनाडु- 626188

Shri Subbaiah Thirumalai Kumar
3/41,A Mariamman Kovil Street,
Thalavaipuram, Rajapalayam Taluk,
Virudhunagar,
Tamilnadu- 626188

श्री सुब्बैया तिरुमलेकुमार, आयु 46 वर्ष, 90% गतिविषयक दिव्यांगता ग्रस्त है। दिव्यांग होने के बावजूद उन्होंने खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। उन्होंने एशियन पैरा गेम्स, कॉमनवेल्थ गेम्स, वर्ल्ड गेम्स, आईपीसी वर्ल्ड पैरा एथलेटिक चैंपियनशिप और नेशनल गेम्स में भाग लिया । वह न केवल दिव्यांगजनों के लिए बल्कि अन्य लोगों के प्रशिक्षण और परामर्श से संबंधित कार्य कर रहे हैं।

खेल के क्षेत्र में श्री सुब्बैया तिरुमलेकुमार के उत्कृष्ट प्रदर्शन को देखते हुए, उन्हें 'श्रेष्ठ दिव्यांगजन' श्रेणी के तहत व्यक्तिगत उत्कृष्टता 2021 का राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किया जाता है।

Shri Subbaiah Thirumalai Kumar aged 46 years has locomotor disability of 90%. Despite having disability he has excelled in sports. He participated in Asian Para Games, Commonwealth Games, World Games, IPC World Para Athletic Championship and National Games. He is engaged in the training & counselling of not only persons with disabilities but also others.

Considering the outstanding performance of Shri Subbaiah Thirumalai Kumar in the field of sports, the National Award for Individual Excellence 2021 under the category' Shrestha Divyangjan is conferred on him.

व्यक्तिगत उत्कृष्टता 2021 के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार - श्रेष्ठ दिव्यांगजन – दृष्टिबाधिता

National Award for Individual Excellence 2021- Shrestha Divyangjan - Visual Impairment

सुश्री शेन्बगवल्ली वे
एसएम फ्लैट्स, 2-आई, चंद्र सेकरन स्ट्रीट,
राधा नगर क्रोमपेट
चेन्नई 600044

Sushri Shenbagavalli Vlanoora
SM Flats, 2-I, Chandra Sekaran Street,
Radha Nagar Chromepet
Chennai 600044

सुश्री शेन्बगवल्ली वे, आयु 47 वर्ष, 100% दृष्टिबाधित हैं। उन्होंने बीए (म्यूजिक) किया है। वह एक संगीतकार और एक संगीत शिक्षक रही हैं। वह पिछले 10 वर्षों से संगीत की कक्षाएं संचालित कर रही हैं और लगभग 100 छात्र उनके मार्गदर्शन में संगीत सीख रहे हैं । वह कर्नाटक संगीत को बढ़ावा दे रही हैं। वह बच्चों को प्रभावी रूप से पढ़ाने के लिए गाने और नोटेशन, माइक्रोसॉफ्ट टीम्स, जूम प्लेटफॉर्म और यूट्यूब जैसी आधुनिक तकनीक का भी उपयोग करती हैं।

100% दृष्टिबाधिता दिव्यांगजन होने के बावजूद सुश्री शेन्बगवल्ली वे की अनुकरणीय उपलब्धियां कई अन्य लोगों के लिए एक सम्मानित और सक्रिय जीवन जीने के लिए उन्हें रोल मॉडल बनाती हैं, इसलिए उन्हें श्रेष्ठ दिव्यांगजन श्रेणी के तहत व्यक्तिगत उत्कृष्टता 2021 के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किया जाता है।

`Sushri Shenbagavalli Vlanoora, aged 47 years is a 100% visually impaired person. She has done BA (Music). She has been a musician and a Music Teacher. She is conducting music classes for the past 10 years and around 100 students learn music under her guidance. She has been promoting Carnatic music. She also uses modern technology such as recording the songs and notations, Microsoft Teams, Zoom platform and Youtube to teach children effectively.

Her exemplary achievements despite being a person with disability of 100% visual impairment, make `Sushri Shenbagavalli Vlanoora a role model for many others to lead a dignified and active life, hence the National Award for Individual Excellence 2021 under the category Shrestha Divyangjan is being conferred on her.

व्यक्तिगत उत्कृष्टता 2021 के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार - श्रेष्ठ दिव्यांगजन – दृष्टिबाधिता

National Award for Individual Excellence 2021- Shrestha Divyangjan - Visual Impairment

श्री हिमांशु जयंतीलाल सोमपुरा
51-ए, प्रमुख पार्क, श्री हरि पार्क के पास,
नवावस माधापर, तालुका- भुज,
जिला - कच्छ
गुजरात -370020

Shri Sompura Himanshu Jayantilal
51-A , Pramukh Park, near Shri Hari Park, Navavas Madhapar, Taluka-Bhuj, Dist.- Kachchh
Gujarat -370020

श्री हिमांशु जयंतीलाल सोमपुरा, उम्र 49 वर्ष जन्म से ही 95% दृष्टिबाधित हैं। उन्होंने ग्रेजुएशन और स्कूल टीचर ट्रेनिंग में डिप्लोमा किया है। उन्होंने दृष्टिबाधित लोगों के लिए डेज़ी ऑडियो बुक का सृजन किया। उनके प्रयासों से 197 छात्रों ने राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर पदक जीते हैं, इसके अलावा 150 दिव्यांगजनों को रोजगार प्राप्त हुआ है। दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण के लिए उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए, वर्ष 2017 में एक संगठन के पुरस्कार के अलावा गुजरात सरकार ने उन्हें वर्ष 2005 में सर्वश्रेष्ठ दिव्यांग कर्मचारी पुरस्कार और वर्ष 2020 में सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया।

दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण के लिए श्री हिमांशु जयंतीलाल सोमपुरा के उत्कृष्ट प्रदर्शन को देखते हुए उन्हें 'श्रेष्ठ दिव्यांगजन' श्रेणी के तहत व्यक्तिगत उत्कृष्टता 2021 का राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किया जाता है।

Shri Sompura Himanshu Jayantilal aged 49 years is 95% visually impaired since birth. He has done Graduation and Diploma in school teacher training. He created Daisy audio book for visually impaired people. His efforts yielded in 197 students winning medals at state and National level, besides employment to 150 persons with disabilities. For his outstanding work for the empowerment of persons with disabilities. The Government of Gujarat conferred Best disabled employee award in 2005 and Best Teacher award in 2020, besides an award from an organization in 2017.

Considering the outstanding performance of Shri Sompura Himanshu Jayantilal in the field of empowerment of persons with disabilities, the National Award for Individual Excellence 2021 under the category 'Shrestha Divyangjan' is conferred on him.

व्यक्तिगत उत्कृष्टता 2021 के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार - श्रेष्ठ दिव्यांगजन - श्रवण बाधिता

National Award for Individual Excellence 2021- Shrestha Divyangjan - Hearing Impairment

सुश्री अंजलि
304 ग्राम खुड्डा लाहौरा
चंडीगढ़
9465383440

Sushri Anjali
304 village khudda Lahora
Chandigarh
9465383440

सुश्री अंजलि, आयु 26 वर्ष, 100% श्रवण बाधित हैं। वह डीएड (विशेष शिक्षा) कर रही हैं। वह बधिर लड़कियों के लिए खेलों के महत्व के बारे में स्कूलों, संघों और कॉलेजों में स्वयंसेवक हैं और उन्हें इसके बारे में पढ़ा रही हैं। उन्होंने खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है और राष्ट्रीय स्तर पर 7, राज्य स्तर पर 13 और जिला स्तर पर 5 पदक जीते हैं। खेलों में उनकी उपलब्धियां दूसरों के लिए प्रेरणादायक हैं।

खेल के क्षेत्र में सुश्री अंजलि के उत्कृष्ट प्रदर्शन को देखते हुए उन्हें श्रेष्ठ दिव्यांगजन की श्रेणी में राष्ट्रीय व्यक्तिगत उत्कृष्टता पुरस्कार 2021 प्रदान किया जाता है।

Sushri Anjali aged 26 years is a person with 100% Hearing Impairment. She is doing D.Ed (Spl.Education). She has been volunteering and teaching in schools, associations and colleges the importance of sports for deaf girls. She has excelled in Sports and won 7 medals at National level, 13 at State level and 5 at district level. Her achievements in sports are inspiration to others.

Considering the outstanding performance of Sushri Anjali in the field of sports, the National Award for Individual Excellence 2021 under the category of Shrestha Divyangjan is conferred on her.

व्यक्तिगत उत्कृष्टता 2021 के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार - श्रेष्ठ दिव्यांगजन - श्रवण बाधिता

National Award for Individual Excellence 2021- Shrestha Divyangjan - Hearing Impairment

श्री मनोज पई
टी 15, सनराइज पार्क सोसाइटी,
सरगम रोड, बोदकदेव,
अहमदाबाद 380054

Shri Manoj Shreedhar Pai
T 15 Sunrise Park Society,
Sargam Road, Bodakdev,
Ahmedabad 380054

श्री मनोज पई, आयु 60 वर्ष 90% श्रवण बाधित हैं। उन्होंने गुजरात राज्य में वन्यजीव/पक्षी गणना में भाग लिया है। वे खगोल विज्ञान संगठनों से जुड़े रहे हैं तथा खगोल विज्ञान और रॉकेट विज्ञान में दिव्यांगजनों की भागीदारी को प्रोत्साहित करते रहे हैं। उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए वर्ष 2010 में संयुक्त राष्ट्र प्रशंसा प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया है।

श्रेष्ठ दिव्यांगजन की श्रेणी के तहत श्री मनोज पई को उनकी उपलब्धियों के लिए व्यक्तिगत उत्कृष्टता 2021 का राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किया जाता है।

Shri Manoj Shreedhar Pai aged 60 years is a person with 90% Hearing Impairment. He participated in wildlife/Bird census in the state of Gujarat. He has been associated with astronomy organizations and encouraged the involvement of persons with disabilities in astronomy and rocket science. For his outstanding work he has been awarded with UN certificate of appreciation in 2010 for excellence.

The National Award for Individual Excellence 2021 under the category Shrestha Divyangjan is conferred on Shri Manoj Shreedhar Pai for his achievements.

व्यक्तिगत उत्कृष्टता 2021 के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार - श्रेष्ठ दिव्यांगजन - बौद्धिक दिव्यांगता

National Award for Individual Excellence 2021- Shrestha Divyangjan - Intellectual Disability

सुश्री इंदु उमा एलिलारास
सं.पीबी-4/15सी, टीएनपीएचसी क्वार्टर,
मेलाकोट्टैयूर, चेंगलपट्टू,
तमिलनाडु -600 127

Sushri Indhu Uma Elilarass
NO.PB-4/15C, TNPHC Quarters,
Melakottaiyur, Chengalpattu,
Tamil Nadu -600 127

सुश्री इंदु उमा एलिलारास, आयु 22 वर्ष, 80% बौद्धिक दिव्यांगता ग्रसित हैं। उन्हें राष्ट्रीय बहु दिव्यांगजन सशक्तिकरण संस्थान, चेन्नई में 12 वर्षों के लिए व्यावसायिक कौशल संबंधी कार्यक्रमों सहित जीवन कौशल, सॉफ्ट कौशल, मल्टीमीडिया कौशल, एनिमेटर कौशल, राजगारपरक कौशल, संचार कौशल में प्रशिक्षित किया गया है। सुश्री इंधु उमा एलीलारस हस्तशिल्प और घरेलू संबंधित उत्पादों के निर्माण में अपनी मां की सहायता कर रही हैं। सुश्री इंधु उमा एलीलारस पारिवारिक उद्यम और उत्पादों के विपणन में सक्रिय रुप से शामिल हैं।

'श्रेष्ठ दिव्यांगजन' श्रेणी के तहत व्यक्तिगत उत्कृष्टता 2021 का राष्ट्रीय पुरस्कार सुश्री इंदु उमा एलिलारास को दिया जाता है।

Sushri Indhu Uma Elilarass aged 22 years is a person with 80% intellectual disability. She has been trained in life skills, soft skills, multimedia skills, animator skills, employability skills communication skills, including vocational skilling related programmes for 12 years in the National Institute for Empowerment of Persons with Multiple Disabilities, Chennai. Sushri Indhi Uma Elilarass is assisting her mother in the manufacturing of handicrafts and household related products. Sushri Indhu Uma Elilarass actively involves in the family enterprise and in marketing of products.

The National Award for Individual Excellence 2021 under the category 'Shrestha Divyangjan' is given to Sushri Indhu Uma Elilarass.

व्यक्तिगत उत्कृष्टता 2021 के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार - श्रेष्ठ दिव्यांगजन - बौद्धिक दिव्यांगता

National Award for Individual Excellence 2021- Shrestha Divyangjan - Intellectual Disability

श्री प्रमोद धर दुबे
121, आदित्य नगर, मारुति गार्डन,
नागदा,
मध्य प्रदेश

Shri Pramod Dhar Dubey
121, Aditya Nagar, Maruti Garden,
Nagda,
Madhya Pradesh

श्री प्रमोद धर दुबे आयु 37 वर्ष, जन्म से 59% बौद्धिक दिव्यांगता ग्रस्त हैं और वे प्राथमिक स्तर के बाद औपचारिक शिक्षा नहीं ले सके। एक विशेष शिक्षक और व्यावसायिक चिकित्सक के तहत प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद, उन्होंने खेल और नृत्य में सक्रिय रुचि विकसित की। उन्होंने खेल और सांस्कृतिक गतिविधियों में भाग लिया है, जिसमें वर्ष 2014 से विभाग द्वारा आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम जैसे 'दिव्य कला शक्ति; दिव्यांगता में क्षमता का दर्शन 2022' शामिल है। वर्तमान में वह एक संगठन के चिकित्सा अनुभाग में कार्यरत है और एक चिकित्सक की देखरेख में चिकित्सा प्रदान करने में सहायता कर रहे हैं।

उनकी उपलब्धियों की मान्यता में, श्री प्रमोद धर दुबे को 'श्रेष्ठ दिव्यांगजन' श्रेणी के तहत व्यक्तिगत उत्कृष्टता 2021 का राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किया जाता है।

Shri Pramod Dhar Dubey, aged 37 years, is a person with Intellectual Disability of 59% since birth and could not take formal education after primary level. After getting training under a Special Educator and Occupational therapist, he developed active interest in sports and dancing. He has participated in sports and cultural activities, including in cultural programmes organised by the Department from 2014 onwards such as 'Divya Kala Shakti; Divyangata me Kshamata ka Darshan 2022'. Presently he is employed in the therapy section of an organization and assists in providing therapy under the supervision of a Therapist.

In recognition of his achievements, the National Award for Individual Excellence 2021 under the category 'Shrestha Divyangjan' is conferred on Shri Pramod Dhar Dubey.

व्यक्तिगत उत्कृष्टता 2021 के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार - श्रेष्ठ दिव्यांगजन - कोई भी निर्दिष्ट दिव्यांगता

National Award for Individual Excellence 2021- Shrestha Divyangjan - Any Specified Disability

सुश्री विमल पोपट गव्हाणे
101, वामा कॉम्प्लेक्स, गुरु गोविंद नगर
सोसाइटी, संघर्ष चौक,
चंदननगर, पुणे -14
महाराष्ट्र

Sushri Vimal Popat Gavhane
101, Wama Complex, Guru Govind
Nagar Society, Sangharsh Chowk,
Chandannagar, Pune -14
Maharashtra

सुश्री विमल पोपट गव्हाणे, आयु 56 वर्ष, 42% गतिविषयक दिव्यांगता ग्रस्त है। वह जिला प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पुणे में महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता के पद पर कार्यरत हैं। स्वास्थ्य विभाग में 36 वर्षों के कार्य के दौरान, उन्होंने पुणे जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में कोविड-19 सहित टीकाकरण, पल्स पोलियो खुराक वितरण और अन्य स्वास्थ्य संबंधी कार्यक्रमों में उत्कृष्ट कार्य किया है।

'श्रेष्ठ दिव्यांगजन' श्रेणी के तहत व्यक्तिगत उत्कृष्टता 2021 का राष्ट्रीय पुरस्कार सुश्री विमल पोपट गव्हाणे को दिया जाता है।

Sushri Vimal Popat Gavhane, aged 56 years, has locomotor disability of 42%. She is working as Lady Health Worker in the Primary Health Centre Distt. Pune. During 36 years of working in the Health Department, she has done excellent work in vaccination, pulse polio dose distribution and other health related programmes including during covid 19 in the rural areas of Pune district.

The National Award for Individual Excellence 2021 under the category 'Shrestha Divyangjan' is given to Sushri Vimal Popat Gavhane.

व्यक्तिगत उत्कृष्टता 2021 के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार - श्रेष्ठ दिव्यांगजन - कोई भी निर्दिष्ट दिव्यांगता

National Award for Individual Excellence 2021- Shrestha Divyangjan - Any Specified Disability

डॉ. शुभम रामनारायण धूत
तिलक आयुर्वेद परिसर,
पुणे 411011
महाराष्ट्र।

Dr. Shubham Ramnarayan Dhoot
Tilak Ayurveda Campus,
Pune 411011
Maharashtra

डॉ. शुभम रामनारायण धूत, आयु 46 वर्ष, जन्म से ही रक्त विकार (हीमोफीलिया 55%) से ग्रस्त हैं। वह एक आयुर्वेदिक डॉक्टर हैं। अपनी दिव्यांगता के बावजूद डॉ शुभम एक सामाजिक कार्यकर्ता हैं और 19 वर्ष की आयु में उन्होंने चिकित्सा क्षेत्र में निःस्वार्थ सामाजिक सेवाएं प्रदान करने के लिए यंग डॉक्टर्स के एक स्वैच्छिक संगठन की स्थापना की। वे विभिन्न विद्यालयों के साथ-साथ सार्वजनिक स्थानों पर भी आयुर्वेद के प्रचार-प्रसार का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने रक्त विकारों के लिए "रक्तामृत" नाम की विश्व की पहली आयुर्वेदिक स्वामित्व दवा विकसित की है। रक्तमृत हीमोफिलिया, ल्यूकेमिया, एक अज्ञात कारक के कारण कम हीमोग्लोबिन और रक्तपित्त के उपचार में मदद करता है। आयुर्वेदिक दवाओं में उनके शोध के लिए उन्हें कई पुरस्कार मिले।

डॉ शुभम रामनारायण धूत को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए श्रेष्ठ दिव्यांगजन की श्रेणी के तहत व्यक्तिगत उत्कृष्टता 2021 के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किया जाता है।

Dr. Shubham Ramnarayan Dhoot, aged 46, has disability of blood disorder (Hemophilia of 55%) since birth. He is an Ayurvedic Doctor. Despite his disability Dr. Shubham is a social worker and at the age of 19, he established a voluntary organization of Young Doctor's in order to provide selfless social services in medical field. He is engaged in the propagation and dissemination of Ayurveda in various schools as well as in public places. He has developed the world's first Ayurvedic proprietary medicine named "Raktamrut" for blood disorders. Raktamrut helps in the treatment of hemophilia, leukemia , low hemoglobin due to an unknown factor and Raktapitta. He received a number of awards for his research in Ayurvedic medicines.

The National Award for Individual Excellence 2021 under the category of Shrestha Divyangjan is conferred on Dr. Shubham Ramnarayan Dhoot for his outstanding work.

व्यक्तिगत उत्कृष्टता 2021 के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार - श्रेष्ठ दिव्यांग बाल/बालिका

National Award for Individual Excellence 2021- Shrestha Divyang Bal/Balika

सुश्री फातिमा अंशी टी. के.
पुत्री श्री अब्दुलबारी थोडुकुझिक्कुन्नुममल,
एडपट्ट,
मलप्पुरम,
केरल- 679326

Sushri Fathima Anshi T K
D/o Abdulbari
Thodukuzhikkunnummal,
Edapatta, Malappuram,
Kerala- 679326

सुश्री फातिमा अंशी टी.के., आयु 16 वर्ष, जन्म से 100% दृष्टिबाधित हैं और 11 वीं कक्षा में पढ़ रही हैं। दिव्यांगता का कलंक कला और संस्कृति में उनकी रचनात्मकता और क्षमता में रुकावट पैदा नहीं कर सका। उसने शास्त्रीय संगीत सीखा और उसने मंच प्रदर्शन भी किया है। उन्हें सर्वश्रेष्ठ स्कूल स्तर की गायिका के रूप में चुना गया था। उन्होंने वर्ष 2019 में दुबई में एक स्टेज शो किया। वह कई भाषाओं में गाती हैं। संगीत और कला के क्षेत्र में उनकी लगातार उपलब्धियों के परिणामस्वरुप उन्हें कई ट्राफियां, पदक और प्रमाण पत्र प्राप्त हुए हैं। उन्होंने अपनी दिव्यांगता पर विजय प्राप्त किया और साधारण बच्चों के साथ प्रतिस्पर्धा करने में अपनी इच्छा को प्रदर्शित किया। उन्हें शास्त्रीय संगीतम स्कूल स्तरीय का पुरस्कार; उपकरण संगीतम्; ललितागणम्; समूहिक गीत; देशभक्ति गानम्; कथाप्रसंगम्; 2017 में संघ गानम् उज्ज्वला बाल्यम् पुरस्कार दिया गया। उन्होंने रियलिटी शो में भी भाग लिया है।

'श्रेष्ठ दिव्यांग बाल/बालिका' श्रेणी के तहत वर्ष 2021 के लिए व्यक्तिगत उत्कृष्टता का राष्ट्रीय पुरस्कार सुश्री फातिमा अंशी टी. के. प्रदान किया जाता है।

Sushri Fathima Anshi T K aged 16, has 100% Visual Impairment by birth and is studying in 11th standard. The stigma of disability could not block her creativity and capability in art and culture. She learnt classical music and she has also given stage performances. She was selected as the best school level singer. She gave a stage show in Dubai in 2019. She sings in a number of languages. Her consistent achievements in the field of music and art resulted in her winning a number of trophies, medals and certificates. She overcame and showed her willingness to compete with the normal children. She was given Shastreeya Sangeetham School level Award; Upkarana Sangeetham; Lalithaganam; Group Song; Deshbhakti Ganam; Kadhaprasangam; Sangha Ganam Ujjwala Balyam Award in 2017. She has also participated in reality shows.

The National Award for Individual Excellence for the year 2021 under the category of 'Shrestha Divyang Bal/Balika' is given to Sushri Fathima Anshi T K.

व्यक्तिगत उत्कृष्टता 2021 के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार - श्रेष्ठ दिव्यांग बाल/बालिका

National Award for Individual Excellence 2021- Shrestha Divyang Bal/Balika

श्री विनायक बहादुर
326, प्रभात नगर, गली नंबर-6/9,
मेरठ-250001
उत्तर प्रदेश

Shri Vinayak Bahadur
326, Prabhat Nagar, Gali No.-6/9,
Meerut-250001
U.P.

श्री विनायक बहादुर, आयु 17 वर्ष, जन्म से ही 100% श्रवणबाधित है । उसके माता-पिता दोनों भी श्रवण बाधिता हैं। कठिन और विपरीत परिस्थितियां होते हुए भी वह ग्यारहवीं कक्षा में पढ़ रहे है। दृढ़ इच्छाशक्ति और दृढ़ संकल्प के साथ, वह खेलों में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और बैडमिंटन खेलते हैं। उन्होंने जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर कई पुरस्कार जीते हैं। उन्हें बिहार राज्य पुरस्कार वर्ष 2017, वर्ष 2019 में सर्वश्रेष्ठ पैरा खिलाड़ी के रूप में राष्ट्रीय पुरस्कार और वर्ष 2020 में बाल शक्ति पुरस्कार दिया गया।

श्री विनायक बहादुर को 'श्रेष्ठ दिव्यांग बाल/बालिका' श्रेणी के तहत वर्ष 2021 के लिए व्यक्तिगत उत्कृष्टता का राष्ट्रीय पुरस्कार दिया जाता है।

Shri Vinayak Bahadur aged 17 years has 100 % Hearing Impairment by birth. Both his parents are also persons with hearing impairment. Despite being in difficult and adverse circumstances, he is studying in XI standard. With strong will and determination, he is doing well in sports and plays badminton. He has won several Awards at district, state and National levels. He was given Bihar State award 2017, National Award as Best Para Player in 2019 and Bal Shakti Puraskar in 2020.

The National Award for Individual Excellence for the year 2021 under the category of 'Shrestha Divyang Bal/Balika' is given to Shri Vinayak Bahadur.

व्यक्तिगत उत्कृष्टता 2021 के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार - दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण के लिए कार्यरत सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति

National Award for Individual Excellence 2021- Divyangjano Ke Sashaktikaran Ke Liye Karyarath Sarvshrestha Vyakti

श्री बुद्धदेव दास
सरदापल्ली, दक्षिण कुश्रीखली,
पोस्ट- नरेंद्रपुर, राजपुर सोनारपुर
24 परगना दक्षिण
पश्चिम बंगाल - 700103,
9007903693

Shri Buddhadev Das
Saradapally, Dakshin KuShriakhali,
Post- Narendrapur, Rajpur Sonarpur
24 Paraganas South
West Bengal - 700103,
9007903693

श्री बुद्धदेव दास 67 वर्ष के हैं और उन्होंने (अंग्रेजी) एम.ए. किया है। उन्होंने 44 वर्षों तक रामकृष्ण मिशन आश्रम नरेंद्रपुर, कोलकाता, पश्चिम बंगाल को अपनी सेवा समर्पित की। उन्होंने ग्रामीण वयस्क दृष्टि बाधितों के लिए प्रशिक्षण और पुनर्वास कार्य से संबंधित काम किया है और उन्होंने पश्चिम बंगाल के विभिन्न जिलों में और भारत के अन्य राज्यों में ग्रामीण दृष्टिबाधितों के लिए अनुवर्ती कार्य का पर्यवेक्षण भी किया। उनकी समर्पित सेवा के सामार्थ्य से कई प्रशिक्षित ग्रामीण दृष्टि बाधित वयस्कों ने राष्ट्रीय और राज्य पुरस्कार प्राप्त किया है। 409 दृष्टिबाधित व्यक्तियों के प्लेसमेंट के लिए प्लेसमेंट कार्यालय के रूप में उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन और उपलब्धियों की मान्यता में, उन्हें पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा वर्ष 2012 में राज्य पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

श्री बुद्धदेव दास को दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण के लिए कार्यरत सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति की श्रेणी के तहत व्यक्तिगत उत्कृष्टता 2021 के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किया जाता है।

Shri Buddhadev Das is 67 years old and is M.A (English). He dedicated his service to the Ramkrishna Mission Ashram Narendrapur, Kolkata, West Bengal for 44 years. He looked after training and rehabilitation works for the rural blind adults and he also supervised follow-up work for the rural blinds in different districts in West Bengal and other states in India. By dint of his dedicated service, several trained rural blind adults have had been receiving National and State awards. As recognition of his outstanding performance and achievements as a placement office for placement of 409 visually impaired persons, he had been felicitated with the State award in the year 2012 by the Government of West Bengal.

The National Award for Individual Excellence 2021 under the category of Divyangjano Ke Sashaktikaran Ke Liye Karyarath Sarvshrestha Vyakti is given to Shri Buddhadev Das.

व्यक्तिगत उत्कृष्टता 2021 के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार - दिव्यांगता के क्षेत्र में कार्यरत सर्वश्रेष्ठ पुनर्वास पेशेवर (रिहैबिलिटेशन प्रोफेशनल)

National Award for Individual Excellence 2021 - Divyangatha Ke Kshetra Mein Karyarath Sarvshrestha Punarvas Peshevar (Rehabilitation Professional)

डॉ. खेम आनंद भट्ट
जे-103 सिग्नेचर व्यू अपार्टमेंट,
डॉ मुखर्जी नगर,
दिल्ली

Dr. Khem Anand Bhatt
J-103 Signature view Apartment,
Dr. Mukherjee Nagar,
Delhi

डॉ. खेम आनंद भट्ट, 54 वर्ष, एक प्रोस्थेटिस्ट और ऑर्थोटिस्ट पेशेवर हैं और उनके पास सामाजिक कार्य में परास्नातक और डॉक्टरेट की डिग्री है। उन्होंने पोलियोमाइलाइटिस, एम्प्यूटेशन, मस्कुलर डिस्ट्रॉफी, सेरेब्रल पाल्सी, स्पाइनल कार्ड इंजुरी आदि से ग्रस्त लोकोमोटर बाधित कई रोगियों का इलाज किया है। उनके काम में मूल्यांकन, डिजाइनिंग, निर्माण, विभिन्न सहायक उपकरणों का फिटमेंट और रोगियों को गैट प्रशिक्षण प्रदान करना शामिल है। इसने लोकोमोटर दिव्यांगता ग्रस्त लोगों के जीवन पर एक जबरदस्त प्रभाव डाला है। वह शिविरों के आयोजन और नि:शुल्क सहायक यंत्र और सहायक उपकरण के वितरण में विभिन्न संगठनों के साथ भी शामिल हैं। उनके काम के बारे में विभिन्न अधिकारियों द्वारा प्रशंसा की गई है।

डॉ. खेम आनंद भट्ट को 'दिव्यांगता के क्षेत्र में कार्यरत सर्वश्रेष्ठ पुनर्वास पेशेवर' श्रेणी के तहत व्यक्तिगत उत्कृष्टता 2021 के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किया गया है।

Dr. Khem Anand Bhatt aged 54 years is a Prosthetist and Orthotist professional and has a masters and doctorate degree in Social Work. He dealt with many patients with locomotor impairment suffering from poliomyelitis, amputation, muscular dystrophy, cerebral palsy, spinal cord injuries etc. His work includes assessment, designing, fabricating, fitment of various assistive devices and providing gait training to the patients. This has marked a tremendous impact on the life of people with locomotor disability. He is also involved with various organizations in organizing camps and in distribution of aids and appliances free of cost. His work has been appreciated by various authorities.

Dr. Khem Anand Bhatt is being conferred with the National Award for Individual Excellence 2021 under the category 'Divyangatha Ke Kshetra Mein Karyarath Sarvshrestha Punarvas Peshevar'.

व्यक्तिगत उत्कृष्टता 2021 के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार – दिव्यांगता के सशक्तिकरण के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान/नवपरिवर्तन/उत्पाद विकास

National Award for Individual Excellence 2021 - Divyangatha Ke Sashaktikaran Ke Kshetra Mein Sarvshrestha Anusandhan/ Navpravartan /Utpad Vikas

श्री अंकित राजीव जिंदल
1001, 25 मेन रोड, एचएसआर लेआउट
सेक्टर 1,
बेंगलुरु 560102,
कर्नाटक, भारत

Shri Ankit Rajiv Jindal
1001, 25 main road, HSR Layout
Sector 1,
Bengaluru 560102,
Karnataka, India

श्री अंकित राजीव जिंदल, 37 वर्ष, 100% दृष्टिबाधित हैं। दिव्यांग होने के बावजूद उन्होंने एफएमएस दिल्ली से एमबीए किया है। 15 वर्षों के करियर में उन्होंने कई आईटी प्रमुख संगठनों में मार्केटिंग प्रोफेशनल आदि के रूप में काम किया है। वे एक सामाजिक उद्यमी, तकनीक-प्रवर्तक और चेंज मेकर रहे हैं। उन्होंने वर्ष 2015 में संयुक्त राष्ट्र में दिव्यांग युवा आइकन के रूप में भारत का प्रतिनिधित्व किया।

श्री अंकित राजीव जिंदल ने साइन लैंग्वेज के लिए साइनर - एआई ऐप विकसित किया है - यह अपनी तरह का पहला उत्पाद है जो किसी भी सामग्री (भाषण और पाठ) को सांकेतिक भाषा में परिवर्तित कर सकता है। इस ऐप को रेलवे स्टेशनों, बैंकों आदि जैसे विभिन्न उपयोग परिदृश्यों में स्थापित किया जा सकता है। यह ऐप 5जी संगत और मेटा वर्स सहित भविष्य के लिए तैयार है। यह सहायक प्रौद्योगिकी उत्पाद दिव्यांगजन द्वारा विकसित किया गया है और उनके सशक्तिकरण के लिए है। उन्होंने वर्ष 2020 में 'वर्चुअल इंडियन साइन लैंग्वेज इंटरप्रेटर' शीर्षक से अंतर्राष्ट्रीय शोध पत्र प्रकाशित किया है। उन्होंने तीसरे सहायक प्रौद्योगिकी सम्मेलन, एम्पावर 2021 में एक पेपर प्रस्तुत किया। उन्हें एनसीपीईडीपी द्वारा यूनिवर्सल डिज़ाइन अवार्ड, 2021 और संयुक्त राष्ट्र और नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर अरबन एफेयर्स भारत सरकार द्वारा स्मार्ट सॉल्यूशन चैलेंज एंड इनक्लूसिव अवार्ड 2022 दिया गया है।

दिव्यांगता के सशक्तिकरण के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान/नवपरिवर्तन/उत्पाद विकास की श्रेणी के तहत व्यक्तिगत उत्कृष्टता 2021 के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार श्री अंकित राजीव जिंदल को प्रदान किया जाता है।

Shri Ankit Rajiv Jindal 37 years old is 100% visually impaired. Despite disability, he has done MBA from FMS Delhi. In a career of 15 years he has worked in a number of IT Major organizations in the capacity of marketing professional etc. He has been a social entrepreneur, tech-innovator and change maker. He represented India as a Youth Icon with disability at the United Nations in 2015.

Shri Ankit Rajiv Jindal has developed Signer – AI App for Sign Lanugage - first of its kind product that can convert any content (speech and text) in to sign language. The solution can be installed at various use case scenarios like railway stations, banks, etc. The solution is future ready including 5G compatible and meta verse. This assistive technology product has been developed by and for the empowerment of persons with disabilities. He has published international research paper titled 'virtual Indian Sign language interpreter' in 2020. He presented a paper at the third Assistive Technology Conference, Empower 2021. He has been given Universal Design Award, 2021 by NCPEDP and Smart Solution Challenge and Inclusivity Award, 2022 by United Nations and National Institute for Urban Affairs, Government of India.

National Award for Individual Excellence 2021 under the category of Divyangatha Ke Sashaktikaran Ke Kheshtra Mein Sarvshrestha Anusandhan/ Navpravartan /Utpad Vikas is given to Shri Ankit Rajiv Jindal

दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण हेतु कार्यरत संस्थानों के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार, 2021 - दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण हेतु कार्यरत सर्वश्रेष्ठ संस्थान - (निजी संस्था, एनजीओ)

National Award for Institutions engaged in Empowering persons with disabilities, 2021- Divyangjanon Ke Sashaktikaran Men Karyrat Sarvshrestha Sansthan - (Private organization, NGO)

अमर ज्योति चैरिटेबल ट्रस्ट
अमर ज्योति अनुसंधान एवं पुनर्वास केंद्र,
कड़कड़डूमा, विकास मार्ग,
दिल्ली 110092

Amar Jyoti Charitable Trust
Amar Jyoti Research and
Rehabilitation Centre,
Karkardooma, Vikas Marg,
Delhi110092

यह संगठन पिछले 42 वर्षों से समावेशी शिक्षा प्रदान करने के प्रति कार्य कर रहा है। इस संगठन ने एक परिसर में कक्षा शिक्षण, चिकित्सीय उपचार, चिकित्सा देखभाल, कौशल प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण पाठ्यक्रमों को शामिल करते हुए एक समग्र दृष्टिकोण अपनाया है जिसने समावेशी शिक्षा को वास्तविक बनाने में मदद किया है। समावेशी शिक्षा को अधिक प्रभावी बनाने के लिए, संगठन यह सुनिश्चित करता है कि खेल और सांस्कृतिक गतिविधियों सहित सभी स्कूली गतिविधियाँ समावेशी हों। इसके अलावा, संगठन दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा मान्यता प्राप्त फिजियोथेरेपी में मास्टर की उपाधि और स्नातक पाठ्यक्रम तथा भारतीय पुनर्वास परिषद द्वारा मान्यता प्राप्त डिप्लोमा पाठ्यक्रम संचालित करता है। संगठन समय-समय पर दिल्ली और देश के अन्य भागों में सहायक उपकरणों के लिए वितरण शिविर भी आयोजित कर रहा है। संगठन को इस विभाग द्वारा 2005 में और दिल्ली सरकार द्वारा 2019 में बाधामुक्त वातावरण के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

समावेशी शिक्षा प्रदान करने में उत्कृष्ट कार्य के लिए अमर ज्योति चैरिटेबल ट्रस्ट को 'दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण में कार्यरत सर्वश्रेष्ठ संस्थान' की श्रेणी के तहत संस्थागत सशक्तिकरण के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार - 2021 प्रदान किया जाता है।

The organization is working for the last 42 years in imparting Inclusive Education. The organization has adopted a holistic approach comprising classroom teaching, therapeutic interventions, medical care, skill training and capacity building courses in one campus which has helped to make inclusive education a reality. To make inclusive education more effective, the organization ensures that all school activities including sports and cultural activities are inclusive. In addition, the organisation conducts Master's and Bachelor's courses in Physiotherapy recognized by University of Delhi and diploma courses accredited by Rehabilitation Council of India. The organization is also organizing distribution camps for assistive devices in Delhi and other parts of the country from time to time.The organization has been conferred with the National Award for Barrier-Free-Environment by this Department in 2005 and by the Government of Delhi, in 2019.

The National Award for Institutional Empowerment - 2021 under the category of 'Divyangjanon Ke Sashaktikaran Men Karyrat Sarvshrestha Sansthan' is conferred on Amar Jyoti Charitable Trust for its outstanding work in imparting inclusive education.

दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण हेतु कार्यरत संस्थानों के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार, 2021 - सर्वश्रेष्ठ सुगम्य यातायात के साधन/सूचना एवम संचार प्रौद्योगिकी

National Award for Institutions engaged in Empowering persons with disabilities, 2021- Sarvshrestha Sugamya Yatayat ke Sadahan/ Soochana Ewem Sanchar Prodyogiki

ई-समिति, भारत का सर्वोच्च न्यायालय
कमरा नंबर 801, अतिरिक्त भवन परिसर,
भारतीय उच्चतम न्यायालय,
मथुरा रोड, नई दिल्ली

E-Committee Supreme Court of India
Room No. 801, Addl. Building Complex,
Supreme Court of India,
Mathura Road, New Delhi

भारतीय न्यायिक प्रणाली के डिजिटल बुनियादी ढांचे को दिव्यांगजनों के लिए अधिक सुगम्य बनाने का कार्य ई-समिति, भारत का सर्वोच्च न्यायालय के कार्य का एक प्रमुख घटक रहा है। इस उद्देश्य की दिशा में ई-समिति के प्रयासों में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के परिणामस्वरुप सभी उच्च न्यायालयों की वेबसाइटें बनाई गई है। दिव्यांगजनों के लिए ई-समिति और ई-न्यायालय की वेबसाइटें तथा जजमेंट सर्च पोर्टल सुगम्य है। दिव्यांग कानूनी पेशेवरों के लिए, ये उपाय उन्हें शारीरिक रुप से शक्तिशाली और स्वस्थ समकक्षों के समान स्तर पर पेशे में भाग लेने में सक्षम बनाने हेतु एक महत्वपूर्ण कदम रहा हैं तथा यह एक सुगम्य और समावेशी कानूनी प्रणाली के सृजन की दिशा में आगे बढ़ने का एक रास्ता है।

'सर्वश्रेष्ठ सुगम्य यातायात के साधन/सूचना एवं संचार प्रोद्योगिकी' श्रेणी के तहत संस्थागत सशक्तिकरण 2021 के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार ई-समिति, भारत का सर्वोच्च न्यायालय को दिया जाता है।

The task of making the digital infrastructure of the Indian judicial system more accessible to persons with disabilities has been a core component of the work of the e-Committee, Supreme Court of India. A significant milestone in the e-Committee's efforts towards this objective has resulted in making all High Court websites. The websites of the e-Committee and e-Courts, and Judgment search portal accessible to persons with disabilities. For legal professionals with disabilities, these measures have been a significant step in enabling them to participate in the profession on the same footing as their able-bodied counterparts and it is a way forward in creating an accessible and inclusive legal system.

The National Award for Institutional Empowerment 2021 under the category 'Sarvshrestha Sugamya Yatayat ke Sadahan/ Soochana Evem Sanchar Prodyogiki' is given to E-committee Supreme Court of India.

दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण हेतु संस्थानों के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार, 2021 - दिव्यांगजनों के अधिकार अधिनियम/यूडीआईडी एवं दिव्यांगों के सशक्तिकरण की अन्य योजनाओं के कार्यान्वयन में सर्वश्रेष्ठ राज्य/यूटी/जिला

National Award for Institutions engaged in Empowering persons with disabilities, 2021. Divyangjano Ke Adhikar Adhiniyam/UDID Evem Divyang Sashaktikaran ki Anya Yojanaon ke Karyanvayan Mein Sarvshrestha Rajya/UT/Zila)

मुख्य कार्यकारी अधिकारी
जिला परिषद् अकोला, महाराष्ट्र

Chief Executive Officer
Zilla Parishad Akola,
Akola,
Maharastra

वर्ष 1962 में स्थापित जिला परिषद अकोला ने पिछले 10 वर्षों के दौरान विशेष रुप से ग्रामीण क्षेत्रों में दिव्यांगजनों के लिए विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों के कार्यान्वयन को सक्रिय रुप से चलाया है। अकोला जिला प्रशासन ने एक पहचान आधारित दिव्यांग सर्वेक्षण आयोजित किया जिसमे दिव्यांगता की पहचान की गई और यूडीआईडी कार्ड जारी करने की सुविधा प्रदान की गई। सर्वेक्षण के बाद, 45906 दिव्यांगजनों की पहचान की गई, जिनमें से 24000 से भी अधिक दिव्यांगजनों को यूडीआईडी कार्ड प्रदान किए गए हैं। एकत्र किए गए सामाजिक-आर्थिक आंकड़े नीति निर्माण में भी मदद करते हैं।

जिला परिषद् अकोला को 'दिव्यांगजन के अधिकार अधिनियम/यूडीआईडी एवं दिव्यांग सशक्तिकरण की अन्य योजनाओं के कार्यान्वयन में सर्वश्रेष्ठ जिला' श्रेणी के तहत संस्थागत अधिकारिता 2021 के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

Zilla Parishad Akola established in the year 1962 has during the past 10 years, actively undertaken the implementation of various schemes and programmes for the persons with disabilities particularly in the rural areas. Akola district administration conducted a divyang survey consisting of identification thereby recognizing the disability and facilitating issuance of UDID card. After the survey, 45906 persons with disabilities were identified out of which 24000 + persons with disabilities have been provided the UDID cards. The socio-economic data collected also helps in the policy formulation.

Zilla Parishad Akola is conferred with the National Award for Institutional Empowerment 2021 under the category 'Divyangjan Ke Adhikar Adhiniyam/UDID Evam Divyang Sashktikaran Ki Anya Yojanaon ke Karyanvayan Mein Sarvshrestha Zilla,.

दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण हेतु संस्थानों के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार, 2021 - पुनर्वास पेशवरों के विकास में संलग्न सर्वश्रेष्ठ संगठन

National Award for Institutions engaged in Empowering Persons with disabilities, 2021 - Punarvasan Peshewaron Ke Vikas Mein Sanlagn Sarvshrestha Sangathan

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी
ट्रांसपोर्ट नगर,
हल्द्वानी, नैनीताल,
उत्तराखंड

Uttrakhand Open University, Haldwani
Transport Nagar,
Haldwani, Nainital,
Uttrakhand

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय मुक्त और दूरस्थ शिक्षा प्रणाली के माध्यम से शिक्षा को बढ़ावा देता है। विश्वविद्यालय का विशेष शिक्षा विभाग पिछले 6 वर्षों से बौद्धिक दिव्यांगता, अधिगम दिव्यांगता, श्रवण बाधिता और दृष्टि बाधिता में बी.एड. विशेष शिक्षा पाठ्यक्रम चलाकर विभिन्न अवसर प्रदान करता रहा है। । 700 से भी अधिक छात्रों ने सफलतापूर्वक कार्यक्रम पूरा किया है और उत्तराखंड के दूरस्थ और पहाड़ी क्षेत्रों में हजारों दिव्यांगजनों की सेवा कर उन्हें सशक्त बना रहे हैं।

'पुनर्वासन पेशेवरों के विकास में संलग्न सर्वश्रेष्ठ संगठन' श्रेणी के तहत संस्थागत शक्तिकरण 2021 के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी को दिया जाता है।

Uttarakhand Open University promotes education through open and distance learning system. The Department of Special Education of the University has been providing opportunities by running B. Ed. Special education course in Intellectual development disability, Learning Disability, Hearing Impairment, and Visual Impairment for the past 6 years. Over 700 students have successfully completed the program and are in-turn serving and empowering thousands of persons with disabilities in the remote and hilly areas of Uttarakhand.

The National Award for Institutional Empowerment 2021 under the category 'Punarvasan Peshewaron Ke Vikas Mein Sanlagn Sarvshrestha Sangathan' is given to Uttarakhand Open University.

व्यक्तिगत उत्कृष्टता 2022 के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार - सर्वश्रेष्ठ दिव्यांगजन

National Award for Individual Excellence 2022- Sarvshrestha Divyangjan

डॉ. पोट्टाबथिनी पद्मावती
4-19/5, इंदिरम्मा कॉलोनी,
मुंगनूर, अब्दुल्लापुरमेट,
रंगारेड्डी - 501505

Dr. Pottabathini Padmavathi
4-19/5, Indiramma Colony,
Munganoor,
Abdullapurmet,
Rangareddy – 501505

डॉ. पोट्टाबथिनी पद्मावती, 51 वर्ष, 90% गतिविषयक दिव्यांगता ग्रसित हैं। उन्होंने बीए पीजीडीसीए किया है। उन्होंने हैदराबाद में कर्नाटिक संगीत, लाइट म्यूजिक और पौराणिक नाटक या संगीत नाटक में गायन का प्रशिक्षण प्राप्त किया और एक कलाकार बन गईं। एक सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में उन्होंने दिव्यांगजनों को गायन, अभिनय, नृत्य और कंप्यूटर, सिलाई, मोमबत्ती बनाने और सॉफ्ट टॉयज का प्रशिक्षण भी नि:शुल्क प्रदान करने के लिए पद्मावती संस्थान की शुरुआत की। उनका एनजीओ दिव्यांगजनों को पिछले 20 वर्षों से 'स्पूर्ति अवार्ड' प्रदान कर रहा है। उन्होंने दूरदर्शन के लिए एक टेलीफिल्म निर्मित किया जिसने जापान में मिनी आवार्ड जीता। उन्हें दो बार राष्ट्रीय पुरस्कार और दो बार राज्य पुरस्कार भी मिला है तथा वर्ष 2010 में उन्हें स्त्री शक्ति पुरस्कार दिया गया है।

सुश्री पोट्टाबथिनी पद्मावती को कला और संस्कृति के क्षेत्र में उनकी उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए 'सर्वश्रेष्ठ दिव्यांगजन' श्रेणी के तहत व्यक्तिगत उत्कृष्टता 2022 के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किया जाता है।

Dr. Pottabathini Padmavati, aged 51, has locomotor disability of 90%. She has done BA PGDCA. She took training in vocal music in carnatik music, light music and mythological drama or musical drama in Hyderabad and became an artiste. As a social worker she started Padmavathi Institute to provide training to persons with disabilities in singing, acting, dancing, and also computers, tailoring, candle making and soft toys free of cost. Her NGO gives 'Spoorthi Award' for the last 20 years to persons with disabilities. She produced a telefilm for Doordarshan which won a mini award in Japan. She received National Award twice and State Award also twice and received Stree Shakthi Puraskar in 2010.

Ms. Pottabathini Padmavathi is being conferred with the National Award for Individual Excellence 2022 under the category 'Sarvshrestha Divyangjan' for her outstanding accomplishments in the field of art & culture.

व्यक्तिगत उत्कृष्टता 2022 के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार - सर्वश्रेष्ठ दिव्यांगजन

National Award for Individual Excellence 2022- Sarvshrestha Divyangjan

डॉ. नीलिमा ढींगरा पासी
2220-बी, लिफ्ट संख्या 60,
ब्लॉक नंबर 13, चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड
फ्लैट्स, सेक्टर-63
चंडीगढ़

Dr. Neelima Dhingra Passi
2220-B, Lift no 60,
Block no 13, Chandigarh Housing Board Flats, Sector -63
Chandigarh

डॉ. नीलिमा ढींगरा पासी, 46 वर्ष, 60% गतिविषयक दिव्यांगता ग्रसित हैं। उन्होंने फार्मास्यूटिकल केमिस्ट्री में पीएचडी किया है और वर्तमान में पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ में सहायक प्रोफेसर हैं। एक मेडिसिनल या फार्मास्युटिकल केमिस्ट होने के नाते, उन्होंने नए ड्रग मॉलिक्यूल्स (रासायनिक तत्व) को डिजाइन और संश्लेषित किया है। डॉ. नीलिमा ढींगरा पासी ने पांच अल्फा रिडक्टेस इनहिबिटर विकसित किए हैं जो बिनाइन प्रोस्टेटिक हाइपरप्लासिया के उपचार में क्लिनिकल रूप से उपयोगी हैं। बाजार में बिकने वाली दवा फाइनस्टराइड की तुलना में अधिक शक्तिशाली नोवेल स्टेरॉइडल 5-रिडक्टेस इनहिबिटर प्रदान करने के लिए उनके द्वारा योगदान दिया गया है, जिसके परिणामस्वरुप 8 पेटेंट तथा भारत वासुदेवन अवार्ड और भारत रतन मदर टेरेसा गोल्ड मेडलिस्ट अवार्ड जैसे राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त करने के रूप में उत्साहजनक परिणाम प्राप्त हुए हैं। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर 2 पुस्तकें लिखी हैं तथा राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रकाशनों के लिए 60 से अधिक अध्यायों में योगदान दिया है। उन्होनें राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर 60 से अधिक सार भी प्रस्तुत किए हैं। उन्होंने चंडीगढ़ विश्वविद्यालय में पीडब्ल्यूडी के लिए समान अवसर सेल में सह-समन्वयक के रूप में और सह समन्वयक धारणा टीम यूआईपीएस विभागीय स्तर पर काम किया है।

डॉ. नीलिमा ढींगरा पासी को शिक्षा और अनुसंधान में उनकी उपलब्धियों के लिए 'सर्वश्रेष्ठ दिव्यांगजन' श्रेणी के तहत व्यक्तिगत उत्कृष्टता 2022 के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किया जाता है।

Dr. Neelima Dhingra Passi, aged has Locomotor Disability of 60%. She has done Phd. (Pharmaceutical Chemistry), and is an Assistant Professor, Punjab University, Chandigarh. Being a Medicinal or Pharmaceutical Chemist, she has designed and synthesized new drug molecules (chemical entities). Dr. Neelima Dhingra Passi has developed Five alpha reeducates' inhibitors which are clinically useful in the treatment of Benign Prostatic Hyperplasia. Contributions have been made by her for providing more potent novel steroidal 5-reductase inhibitors in comparison to marketed drug finasteride resulting in encouraging outcomes in the form of obtaining 8 Patents and national and international awards like India Vasudevan Award and Bharat Ratan Mother Teresa Gold Medalist Award. She has written 2 Books at International level and contributed more than 60 Chapters for national and international Publications. She has also submitted more than 60 Abstracts at both National and International levels. She has worked as Co-Coordinator at Equal Opportunity Cell for PwDs at Chandigarh University and as Co coordinator Perception team UIPS Departmental Level.

Dr. Neelima Dhingra Passi is being conferred with the National Award for Individual Excellence 2022 under the category 'Sarvshrestha Divyangjan' for her accomplishments in academics and research.

व्यक्तिगत उत्कृष्टता 2022 के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार - सर्वश्रेष्ठ दिव्यांगजन

National Award for Individual Excellence 2022- Sarvshrestha Divyangjan

सुश्री एम पून्गुयली
नंबर 341, मानिक्कवासगर स्ट्रीट,
सुधानगर, एक्सटेंशन 2,
नैनारमंडपम, पुदुचेरी 605004

Sushri M Poonguzhali
No 341, Manickavasagar Street,
Sudhananagar, Extension 2,
Nainarmandapam,
Puducherry 605004

सुश्री एम पून्गुयली, 29 वर्ष, 75% बौद्धिक दिव्यांग ग्रसित हैं। वे एक दिव्यांग भरतनाट्यम नर्तकी हैं। उन्होंने अपना अरंगेट्रम कर लिया है। उन्होंने वर्ष 2019 में 7190 प्रतिभागियों के बीच थिल्लई नाट्यंजलि में भाग लिया, जिससे गिनीज रिकॉर्ड बना। उन्होंने राज्य, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शन किया है और कई अवार्ड, पुरस्कार और प्रशंसा प्राप्त की है।

सुश्री एम पून्गुयली को कला और संस्कृति में उनकी उपलब्धियों के लिए 'सर्वश्रेष्ठ दिव्यांगजन' की श्रेणी के तहत व्यक्तिगत उत्कृष्टता 2022 के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किया जाता है।

Ms. M. Poonguzhali, aged 29 has Intellectual Disability of 75%. She is a differently abled Bharathanatyam Dancer. She has accomplished her Arangetram. She has participated in THILLAI NATYANJALI amidst 7190 participants in 2019 which created a Guinness Record. She has performed at State, National and International levels and bagged many awards, prizes and appreciations.

Ms. M. Poonguzhali is being conferred with the National Award for Individual Excellence 2022 under the category of 'Sarvshrestha Divyangjan' for her accomplishments in art & culture.

व्यक्तिगत उत्कृष्टता 2022 के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार - सर्वश्रेष्ठ दिव्यांगजन
National Award for Individual Excellence 2022- Sarvshrestha Divyangjan

प्रोफ़ेसर सोमेश्र्वर सती
703, उदयगिरि,
कोशांबी,
गाज़ियाबाद,
यूपी (201010)

Prof. Someshwar Sati
703, Udaygiri,
Koshambi,
Ghaziabad,
U.P. (201010)

प्रो. सोमेश्वर सती, 54 वर्ष, 100% दृष्टिबाधित हैं। उन्होंने अंग्रेजी भाषा में पीएचडी की है। उन्होंने कॉलेज की सक्षम इकाई में रीडिंग और स्क्राइब सेवा की स्थापना की तथा दिल्ली विश्वविद्यालय के किरोड़ीमल कॉलेज में दिव्यांगता अनुसंधान और प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वह दिव्यांग छात्रों के लिए खेल/सांस्कृतिक गतिविधियों, जागरूकता कार्यक्रमों के आयोजन से संबंधित कार्य में शामिल है। उन्होंने दिव्यांगता अध्ययन में ऑनलाइन प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम तथा राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार और फैकल्टी विकास कार्यक्रम भी आयोजित किए हैं तथा दिव्यांगता से सम्बंधित पुस्तकों को अंग्रेजी में अनुवाद भी करवाया है। वर्ष 2019 में उन्होंने देश भर के दिव्यांग-विद्वानों के एक संघ, इंडियन डिसेबिलिटि स्टडीज कलकटिव (आईडीएससी) की स्थापना की।

प्रो. सोमेश्वर सती को दिव्यांगजनों के शिक्षा और सशक्तिकरण में उनकी उपलब्धियों के लिए 'सर्वश्रेष्ठ दिव्यांगजन' श्रेणी के तहत वर्ष 2022 के राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किया जाता है।

Prof. Someshwar Sati, aged 54, has visual impairment of 100%. He has done Phd. in English language. He has set up reading and scribe service at the enabling unit of the college and is also instrumental in setting up a centre for disability research and training at Kirori Mal College, Delhi University. He is involved in organising sports/cultural activities, awareness programmes for persons with disability students. He has organised online certificate courses in disability studies and also National and International webinars and faculty development programmes and also got various disability related books translated into English. In 2019, he established the Indian Disability Studies Collective (IDSC), an association of disability-scholars from across the country.

Prof. Someshwar Sati is being conferred with the National Award for 2022 under the category 'Sarvshrestha Divyangjan' for his accomplishments in education and empowerment of PwDs.

व्यक्तिगत उत्कृष्टता 2022 के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार - सर्वश्रेष्ठ दिव्यांगजन

National Award for Individual Excellence 2022- Sarvshrestha Divyangjan

श्री अपूर्व कुलकर्णी
एफ-113 रिजवुड एस्टेट,
गुरुग्राम,
हरियाणा

Shri Apoorv Kulkarni
F-113 Ridgewood Estate,
Gurugram,
Haryana

श्री अपूर्व कुलकर्णी, 36 वर्ष, 7 वर्ष की उम्र से 100% दृष्टिबाधित है। वे वर्तमान में सेंटर फॉर इंक्लूसीव मोबिलिटी ऑफ ओला मोबिलिटी इंस्टीट्यूट (ओएमआई) के प्रमुख हैं जो एएनआई टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड (ओला ब्रांड और ओला कैब्स का स्वामी) का हिस्सा है। वह 23 करोड़ से भी अधिक दिव्यांगजन, महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों के लिए शहरी परिवहन को अधिक समावेशी बनाने हेतु तकनीकी समाधान के लिए संयुक्त राष्ट्र (यूएन) भारत द्वारा आयोजित स्मार्ट सलूशन चैलेंज और इंक्लूसिव सिटीज अवार्ड 2022 के विजेता भी हैं। वे अनुसंधान और प्रकाशनों के माध्यम से दिव्यांगता समावेशन का समर्थन कर रहे हैं। उन्होंने 3 दिव्यांगता समूहों और 3 परिवहन साधनों में दिव्यांग महिलाओं और पुरुषों के यात्रा अनुभवों पर एक अग्रणी रिपोर्ट: 'ऑन द मूव' लिखी है।

श्री अपूर्व कुलकर्णी को दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण के क्षेत्र में उनकी उपलब्धियों के लिए 'सर्वश्रेष्ठ दिव्यांगजन' श्रेणी के तहत व्यक्तिगत उत्कृष्टता 2022 का राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किया जाता है।

Shri Apoorv Kulkarni, aged 36, has 100% Visual Impairment since the age of 7 years. He is presently heading the Center for Inclusive Mobility of Ola Mobility Institute (OMI) - part of ANI Technologies Pvt. Ltd. (owner of brand Ola and Ola Cabs). He is also a Winner of Smart Solutions Challenge and Inclusive Cities Award 2022 organised by United Nations (UN) India, for tech solution to make urban transport more inclusive for 23 crore plus Divyangjan, women and senior citizens. He has been championing disability inclusion through Research and publications. He authored a pioneering report: 'On The Move' on travel experiences of Divyang women and men across 3 Disability groups and 3 transport modes.

The National Award for Individual Excellence 2022 under the category of 'Sarvshrestha Divyangjan' is conferred on Shri Apporv Kulkarni for his accomplishments in the field of empowerment of persons with disabilities.

व्यक्तिगत उत्कृष्टता 2022 के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार - सर्वश्रेष्ठ दिव्यांगजन

National Award for Individual Excellence 2022- Sarvshrestha Divyangjan

श्री जयसिंग कृष्णरावजी चव्हाण
निवास-106, कृष्णरंजना,
समाज भूषण सोसाइटी, गजानन नगर के सामने, साईं मंदिर के पास,
वर्धा रोड, नागपुर-440015 (महाराष्ट्र)

Shri Jaysingh Krushnaro Chavhan
Residence-106. Krushnranjana ,
Samaj Bhushan Society, Opp.
Gajanan Nagar, Near Sai Mandir,
Wardha Road, Nagpur-440015 (MH)

श्री जयसिंग कृष्णरावजी चव्हाण, 43 वर्ष, 87% गतिविषयक दिव्यांगता ग्रसित हैं। उन्होंने एमबीए (फाइनेंस) की है। उन्होंने रंजना ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज के तहत साबुन और डिटर्जेंट का निर्माण करके अपना उद्यम शुरू किया। उन्होंने वर्ष 2007 में सर्वश्रेष्ठ स्व-नियोजित दिव्यांगजन की श्रेणी में राष्ट्रीय पुरस्कार जीता है और दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण के लिए उन्हें वर्ष 2016 में महाराष्ट्र उद्योग भूषण पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उन्होंने मैग्रेटिक महाराष्ट्र अवार्ड (स्टार्ट-अप्स के लिए महाराष्ट्र राज्य पुरस्कार) वर्ष 2018 भी जीता है। वे दिव्यांगजनों के स्वरोजगार के लिए विशेष प्रशिक्षण शिविरों के आयोजन से संबंधित कार्य में शामिल रहे हैं।

सर्वश्रेष्ठ दिव्यांगजन की श्रेणी के तहत व्यक्तिगत उत्कृष्टता वर्ष 2022 के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार जयसिंग कृष्णरावजी चव्हाण को दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण में उनकी उपलब्धियों के लिए प्रदान किया जाता है।

Shri Jaysingh Krushnaro Chavhan 43 years of age has Locomotor Disability of 87%. He is MBA (Finance). He started his own venture by manufacturing soap and detergent under Ranjana Group of Industries. He won National Award in the category of Best self employed Divyangjan in 2007 and for empowerment of persons with disabilities he was awarded with Maharashtra Udyog Bhushan Award in 2016. He also won Magnetic Maharashtra Award (Maharashtra State Award for Start-ups), 2018. He has been involved in organizing special training camps for self employment of Divyangjan.

The National Award for Individual Excellence 2022 under the category of Sarvshrestha Divyangjan is given to Jay Singh Krushnarao Chavhan for his accomplishments in the empowerment of persons with disabilities.

व्यक्तिगत उत्कृष्टता 2022 के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार - श्रेष्ठ दिव्यांगजन – गतिविषयक दिव्यांगता

National Award for Individual Excellence 2022 - Shrestha Divyangjan - Locomotor Disability

सुश्री इंशा बशीर
सोनेपा बीरवाह,
बडगाम,
जम्मू और कश्मीर

Sushri Inshah Bashir
Sonepah Beerwah,
Budgam,
Jammu And Kashmir

सुश्री इंशा बशीर, 32 वर्ष, बी.ए और बी.एड, 12वीं कक्षा में पढ़ते समय एक दुर्घटना के कारण वे 80% गतिविषयक दिव्यांगता ग्रसित हैं। उन्होंने "101 अन्कन्वेन्शनल स्ट्रेटेजीज" नामक पुस्तक का सह-लेखन किया है। वे मार्च वर्ष 2019 में कोच विज़िटर स्पोर्ट्स प्रोग्राम के लिए अमेरिका में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाली कश्मीर की पहली महिला व्हीलचेयर बास्केटबॉल खिलाड़ी हैं। उन्होंने कश्मीर महिला टीम की कप्तान के रूप में वर्ष 2019 में पंजाब के मोहाली में आयोजित राष्ट्रीय स्तर के बास्केट बॉल टूर्नामेंट में भी भाग लिया है। वे वर्ष 2018 में तमिलनाडु में आयोजित राष्ट्रीय स्तर के बास्केटबॉल टूर्नामेंट के दौरान दिल्ली की टीम में भी खेली थीं। उन्होंने हैदराबाद में आयोजित राष्ट्रीय व्हीलचेयर बास्केटबॉल चैंपियनशिप वर्ष 2017 में भी भाग लिया था।

सुश्री इंशा बशीर को खेलों में उनकी उपलब्धियों के लिए श्रेष्ठ दिव्यांगजन श्रेणी के तहत व्यक्तिगत उत्कृष्टता वर्ष 2022 का राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किया जाता है।

Sushri Inshah Bashir 32 years, B.A & B.ED has locomotor disability of 80% since she met with an accident while studying in 12th Standard. She has co-authored a book “101 unconventional strategies”. She is the first female wheelchair Basket ball player from Kashmir to represent India in the US for Coaches Visitor Sports program, in March 2019. She also participated at the national level basket ball tournament held in 2019 at Mohali, Punjab, as Captain of the women’s team from Kashmir. She also played in Delhi team during the National level basket ball tournament held in Tamil Nadu in 2018. She also participated in the national wheelchair basketball championship 2017 held at Hyderabad.

The National Award for Individual Excellence 2022 under the category of Shrestha Divyangjan is being given to Sushri Inshah Bashir for her accomplishments in Sports.

व्यक्तिगत उत्कृष्टता 2022 के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार - श्रेष्ठ दिव्यांगजन – गतिविषयक दिव्यांगता

National Award for Individual Excellence 2022 - Shrestha Divyangjan - Locomotor Disability

डॉ. सत्य नारायण मिश्रा
एम-79, सुश्री नगर यूनिट-4
भुवनेश्वर,
खोरढा,
ओडिशा

Dr. Satya Narayan Mishra
M-79, Sushri Nagar Unit-4
Bhubaneswar,
Khordha,
Odisha

डॉ. सत्य नारायण मिश्र, 54 वर्ष, 80% गतिविषयक दिव्यांगता ग्रसित हैं। उन्होंने एम.फिल किया हैं और उत्कल विश्वविद्यालय से पीएचडी किया है। वह भारत के राष्ट्रीय अभिलेखागार के महानिदेशक (अभिलेख) के कार्यालय में एक अभिलेखाविद् के रूप में काम कर रहे हैं और वर्ष 2012 में सेंट्रल चाइना नार्मल यूनिवर्सिटी, चीन से उन्हें डी. लिट से सम्मानित किया गया था। उन्होंने दो पुस्तकें, विश्वविद्यालयों और संस्थानों के विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में 11 शोध लेख भी प्रकाशित किए हैं। उन्होंने उत्कल विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों और भवनों को दिव्यांगों के अनुकूल बनाने का दृढ़ प्रयास किया था। वे न्यूज़ीलैंड के डिसएबिलिटी ट्रस्ट, एलिवेट के सदस्य भी हैं।

'श्रेष्ठ दिव्यांगजन' श्रेणी के तहत व्यक्तिगत उत्कृष्टता 2022 के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार डॉ. सत्य नारायण मिश्र को दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण में उनकी उपलब्धियों के लिए प्रदान किया जाता है।

Dr. Satya Narayan Mishra, 54 years of age, has 80% locomotor disability is M.Phil, and holds a PhD from Utkal University. He is working as an Archivist in the office of DG Achieves, National Archives of India and was awarded D. Lit. from Central China Normal University, China in 2012. He has also published two books, 11 research articles in different National and International journals of Universities and Institutions. He had vigoursly made efforts to make the different departments and buildings of Utkal University disabled friendly. He is also the member of Elevate, a Disability Trust of New Zealand.

The National Award for Individual Excellence 2022 under the category 'Shrestha Divyangjan' is conferred on Dr. Satya Narayan Mishra for his accomplishments in Empowerment of Persons with Disability.

व्यक्तिगत उत्कृष्टता 2022 के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार - श्रेष्ठ दिव्यांगजन – दृष्टि बाधित

National Award for Individual Excellence 2022 - Shrestha Divyangjan - Visual Impairment

सुश्री शर्मिष्ठा अत्रेजा
ए2/1 भूतल यूनिवर्सिटी हॉस्टल ग्राउंड
मुखर्जी नगर,
दिल्ली।

Sushri Sharmishthaa Atreja
A2/1 GF University Hostel Ground
Mukhurgee Nagar,
Delhi

सुश्री शर्मिष्ठा अत्रेजा, 34 वर्ष, 100% दृष्टिबाधित हैं। उन्होनें दर्शनशास्त्र में मास्टर्स पूरा किया है। वे वर्तमान में दिल्ली विश्वविद्यालय के दर्शनशास्त्र विभाग में सहायक प्रोफेसर के रूप में कार्यरत हैं। उन्होंने लियोनार्ड चेशायर डिसएबिलिटी-यूके द्वारा समर्थित एक वैश्विक एडवोकेसी समूह 'यंग वॉयस' के साउथ-एशियाई चैप्टर के संयोजक के रूप में भारत का प्रतिनिधित्व किया है। उन्होंने "इंटरनेशनल जर्नल फॉर क्रिटिकल डिसएबिलिटी स्टडीज" के एसोसिएट एडिटर के रूप में काम किया है, जो द्वि-वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका है जिसका प्रकाशन ऑनलाइन होता है। उन्होंने वर्ष 2016 में फुकुओका में बैरियर-फ्री एसोसिएशन द्वारा आयोजित 13वें गोल्ड कॉन्सर्ट में भारतीय संगीत गायन एक अंतर्राष्ट्रीय संगीत कार्यक्रम में प्रदर्शन किया। वे वर्ष 2020 में एक ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "डिसेबिलिटी एंड गेज़" पर एक रिसोर्स पर्सन भी थीं।

सुश्री शर्मिष्ठा अत्रेजा को उनकी उपलब्धियों के लिए 'श्रेष्ठ दिव्यांगजन' की श्रेणी के तहत व्यक्तिगत उत्कृष्टता 2022 को राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किया जाता है।

Ms Sharmishthaa Atreja 34 years of age is a person with visual impairment of 100%. She has completed her Masters in philosophy. She is presently working as an Assistant Professor in the University of Delhi, Department of Philosophy. She represented India as the Convener for the south-Asian Chapter of 'Young Voices,' a global advocacy group supported by Leonard Cheshire Disability-UK. She has worked as Associate Editor of "International Journal for Critical Disability Studies", a bi-annual international journal published online. She performed in the Indian Music recital in the 13th Gold concert in Fukuoka, an International concert organised by Barrier-free Association in 2016. She was also a Resource Person on "Disability and Gaze" at an online International conference in 2020.

Ms Sharmishthaa Atreja is being conferred with the National Award for Individual Excellence 2022 under the category of 'Shrestha Divyangjan' for her accomplishments.

व्यक्तिगत उत्कृष्टता 2022 के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार - श्रेष्ठ दिव्यांगजन – दृष्टि बाधित

National Award for Individual Excellence 2022 - Shrestha Divyangjan - Visual Impairment

श्री अभिषेक ठाकुर
हाउस नंबर 5/13, 5 यूनिवर्सिटी रोड,
नॉर्थ कैंपस,
दिल्ली विश्वविद्यालय,
दिल्ली - 110007।

Shri Abhishek Thakur
House no. 5/13, 5 University Road ,
North Campus ,
University of Delhi,
Delhi – 110007

श्री अभिषेक ठाकुर, 34 वर्ष, 100% दृष्टिबाधित हैं, उन्होंने दर्शनशास्त्र में मास्टर की उपाधि प्राप्त किया है। वे वर्तमान में दिल्ली विश्वविद्यालय में शिक्षा विभाग में सहायक प्रोफेसर के रुप में कार्यरत हैं। उन्होंने वर्ष 2011 में टीआईएसएस, मुंबई से सामाजिक कार्य में सर्वश्रेष्ठ फील्ड वर्क स्टूडेंट के लिए एनटीपीसी स्वर्ण पदक प्राप्त किया है। उन्होंने व्यापक रुप से शोध पत्र और लेख प्रकाशित किए हैं और साथ ही सीबीएम के सहयोग से समुदाय आधारित पुनर्वास और सतत आजीविका ढांचे पर विभिन्न शोध परियोजनाओं को सफलतापूर्वक पूरा किया है। उन्होंने वर्ष 2018 और वर्ष 2019 में कुछ जॉब फेयर भी आयोजित किए हैं और ब्लाइंड रिलीफ एसोसिएशन के सहयोग से दिव्यांगजनों के लिए एक कोविड-19 हेल्पलाइन का भी संचालन किया है। वह नेशनल एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड (एनएबी), द ब्लाइंड रिलीफ एसोसिएशन, दिल्ली जेपीएम सीनियर सेकेंडरी स्कूल फॉर द ब्लाइंड, नई दिल्ली के शासी निकाय में और दिव्यांगजनों के लिए कौशल विकास पर टास्क फोर्स के एक सक्रिय सदस्य होने के अलावा दिल्ली सरकार के विभिन्न विभागों में दिव्यांगजनों के लिए उपयुक्त पदों की पहचान के लिए एक विशेषज्ञ सदस्य हैं।

उनकी उपलब्धियों की मान्यता में श्री अभिषेक ठाकुर को 'श्रेष्ठ दिव्यांगजन' श्रेणी के तहत व्यक्तिगत उत्कृष्टता 2022 के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किया जाता है।

Shri Abhishek Thakur 34 years, is 100% Visually Impaired, Masters in Philosophy. He is presently working as an Assistant Professor at Department of Education in the University of Delhi. He is the recipient of the NTPC Gold Medal for the Best Field Work Student in Social Work in the year 2011 from TISS, Mumbai. He has widely published research papers and articles as also successfully completed various research projects on Community Based Rehabilitation and Sustainable Livelihood Framework in collaboration with CBM. He has also organised a few Job Fairs in 2018 and 2019 as also ran a COVID-19 Helpline for Persons with Disabilities in collaboration with the Blind Relief Association. He is an Expert Member for identification of posts suitable for persons with disabilities in various Departments of Government of Delhi besides being in the governing body of the National Association for the Blind (NAB), the Blind Relief Association, Delhi JPM Senior Secondary School for the Blind, New Delhi and an active member of the task force on Skill Development for Persons with Disabilities.

In recognition of his accomplishments Shri Abhishek Thakur is being conferred with the National Award for Individual Excellence, 2022 under the category 'Shrestha Divyangjan'.

व्यक्तिगत उत्कृष्टता 2022 के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार - श्रेष्ठ दिव्यांगजन - श्रवण बाधिता

National Award for Individual Excellence 2022 - Shrestha Divyangjan - Hearing Impairment

सुश्री टेम्सुतोला जमीर
मकान नंबर- 68, बी-खेल,
दिफूपर गांव,
सब डिवीजन चुमुकेडिमा, दिफूपर ए,
दीमापुर- 797115

Sushri Temsutola Jamir
H/No.- 68, B-Khel, Diphupar Village,
Sub Division Chumukedima,
Diphupar A,
Dimapur- 797115

सुश्री टेम्सुतोला जमीर, 42 वर्ष, नागालैंड के दीमापुर की रहने वाली हैं। वे और उनके पति दोनों 100% श्रवण बाधित हैं। उन्होंने उच्चतर माध्यमिक तक शिक्षा प्राप्त की है और वर्तमान में समग्र शिक्षा अभियान के तहत संसाधन शिक्षक के रुप में कार्यरत हैं। वे स्कूल जाने में असमर्थ श्रवण बाधित बच्चों को गृह आधारित शिक्षा प्रदान करते हैं। वह एक खिलाड़ी और एक डांसर है। उन्होनें शॉट पुट और बैडमिंटन में विभिन्न राष्ट्रीय स्तर और राज्य स्तर की प्रतियोगिताओं में प्रथम स्तर के पुरस्कार जीते हैं। उन्होंने में नई दिल्ली में एबिलिटी उत्सव 2000 में काव्य पाठ में सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया है। उन्होंने वर्ष 2012 और 2014 में युवा मामले और खेल मंत्रालय द्वारा आयोजित विशेष ओलंपिक भारत में शॉट-पुट में दूसरा पुरस्कार और बैडमिंटन में प्रथम पुरस्कार जीता। उन्होंने वर्ष 2011 में लंबी कूद प्रतियोगिता में दूसरा पुरस्कार और विशेष ओलंपिक भारत में वरिष्ठ लड़कियों की दौड़ और फुटबॉल में प्रथम पुरस्कार जीता है। तेमसुटोला ने नागालैंड में खेल के क्षेत्र में श्रवण बाधित समुदाय के लिए सम्मान और ख्याति प्राप्त किया है।

सुश्री टेम्सुतोला जमीर को खेलों में उनकी उपलब्धियों के सम्मान में श्रेष्ठ दिव्यांगजन श्रेणी के तहत व्यक्तिगत उत्कृष्टता 2022 के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किया जाता है।

Sushri Temsutola Jamir, is 42 years and a resident of Dimapur, Nagaland. She has hearing impairment of 100% as also her husband. She has done Senior Secondary and is presently working as resource Teacher under Samagra Shiksha Abhiyaan. Provides home based education to deaf children who are unable to go to school. She is a sportsperson and a dancer. She has won first level prizes in various National level and State level competitions in shot put and badminton. She has secured consolation prize in Poetry at Ability Utsav 2000 in New Delhi. In Special Olympics Bharat, she won 2nd prize in shot-put and 1st prize in Badminton in 2012 and 2014 organized by the Ministry of Youth Affairs & Sports. In standing long jump competition she won 2nd prize in 2011, and 1st prize in senior girls racing and football in Special Olympics Bharat. Temsutola has brought honor and laurel to the hearing impairment community in the field of sports in Nagaland.

In recognition of her accomplishments in sports Sushri Temsutola Jamir is conferred with the National Award for Individual Excellence, 2022 under the category of Shrestha Divyangjan

व्यक्तिगत उत्कृष्टता 2022 के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार - श्रेष्ठ दिव्यांगजन - श्रवण बाधिता

National Award for Individual Excellence 2022 - Shrestha Divyangjan - Hearing Impairment

श्री बिजेन्द्र खटाना
वीपीओ-असलवास (46),
रेवाड़ी - 123501
हरियाणा

Shri Bijender Kahtana
V.P.O – Asalwas (46),
Rewari - 123501
Haryana

श्री बिजेन्द्र खटाना, 25 वर्ष, 93% श्रवण बाधित है। वे विशेष शिक्षा (श्रवण बाधिता) में डिप्लोमा कर रहे हैं। वे एक खिलाड़ी हैं और उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर एथलेटिक्स, जूडो और बास्केटबॉल प्रतियोगिताओं में भाग लिया है। उन्होंने इंटरनेशनल डेफ बास्केटबॉल फेडरेशन द्वारा आयोजित बास्केटबॉल में पहला स्थान हासिल किया है। राष्ट्रीय स्तर पर उन्होंने बास्केटबॉल में एक स्वर्ण पदक प्राप्त किया है और जूडो में 73 किग्रा भार में तीसरा स्थान हासिल किया है। ।

श्री बिजेंद्र खटाना को खेलों में उनकी उत्कृष्ट उपलब्धियों की मान्यता में, 'श्रेष्ठ दिव्यांगजन' श्रेणी के तहत व्यक्तिगत उत्कृष्टता 2022 के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

Shri Bijender Kahtana 25 years aged has hearing impairment of 93%. He is pursuing Diploma in Special Education in Hearing Impairment. He is a sports person and has participated in athletics, judo and basketball competitions at International, National and State levels. He has secured first position in basketball organized by International Deaf Basketball Federation. At the National level he has got one gold medal in basketball and secured third position under 73 kg. in Judo.

In recognition of his outstanding accomplishments in sports, Shri Bijender Kahtana is conferred with the National Award for Individual Excellence 2022 under the category ‘Shrestha Divyangjan’.

व्यक्तिगत उत्कृष्टता 2022 के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार - श्रेष्ठ दिव्यांगजन - बौद्धिक दिव्यांगता

National Award for Individual Excellence 2022 - Shrestha Divyangjan - Intellectual Disability

सुश्री अपर्णा रॉय
4जी/5एच 10 गुरुसदाय रोड
बालीगंज,
कोलकाता - 700019

Sushri Aparna Roy
4G/5H 10 Gurusaday Road
Ballygunje,
Kolkata - 700019

सुश्री अपर्णा रॉय, 36 वर्ष, 50% बौद्धिक दिव्यांगता ग्रसित हैं । हालांकि वे औपचारिक शिक्षा में आगे नहीं बढ़ सकीं, लेकिन उन्होंने नृत्य में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। उन्होंने शास्त्रीय मणिपुरी नृत्य सीखा। नृत्य में उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए उन्हें वर्ष 2017 में रोल मॉडल की श्रेणी में राज्य पुरस्कार मिला है। उन्होंने डीआरडीओ ऑडिटोरियम, दिल्ली सहित भारत के कई शहरों में भी प्रदर्शन किया है। उन्होंने बांग्लादेश में वर्ष 2015 में सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम में भी भाग लिया था। लखनऊ में हार्ट एंड सोल कल्चरल सोसाइटी द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में उन्हें 'स्टार, 2020' पुरस्कार प्रदान किया गया।

दिव्यांगजन होने के बावजूद सुश्री अपर्णा रॉय का उत्कृष्ट नृत्य प्रदर्शन दूसरों के लिए एक प्रेरणा है, उन्हें 'श्रेष्ठ दिव्यांगजन' की श्रेणी के तहत व्यक्तिगत उत्कृष्टता 2022 का राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किया जाता है।

Sushri Aparna Roy aged 36 years, has intellectual disability of 50%. Though she could not proceed in formal education, but has excelled in dance. She learned classical Manipuri dance. For her outstanding performance in Dance she received State award in the category of Role Model in 2017. She has also performed in many cities in India including one at DRDO Auditorium, Delhi. She also participated in the cultural exchange programme in the year 2015 in Bangladesh. She received 'Star, 2020' award at an event organised by Heart & Soul Cultural Society at Lucknow.

Her excellent dancing performances despite being a person with disability, she is an inspiration to others, the National Award for Individual Excellence 2022 under the category of 'Shrestha Divyangjan' is conferred on her.

व्यक्तिगत उत्कृष्टता 2022 के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार - श्रेष्ठ दिव्यांगजन - बौद्धिक दिव्यांगता

National Award for Individual Excellence 2022 - Shrestha Divyangjan - Intellectual Disability

श्री रघुनाथ सिंह कुटलेहड़िया
ठाकरकुंज,
आर्य नगर, आईएसबीटी ऊना के पास
हिमाचल प्रदेश- 174303

Shri Raghunath Singh Kutlehria
Thakarkunj,
Arya Nagar near ISBT Una,
Himachal Pradesh- 174303

श्री रघुनाथ सिंह कुटलेहड़िया, 24 वर्ष, ने 50% बौद्धिक दिव्यांगता के बावजूद 12वीं कक्षा उत्तीर्ण किया है। वे एक खिलाड़ी हैं, और उन्होंने वर्ष 2018 में रांची में आयोजित राष्ट्रीय साइकिलिंग चैंपियनशिप में स्वर्ण और रजत पदक जीता है। उन्होंने मार्च, 2019 में अबू धाबी में आयोजित विश्व ग्रीष्मकालीन विशेष ओलंपिक में साइकिलिंग में 1 स्वर्ण और 1 रजत पदक जीता था।

खेलों में श्री रघुनाथ सिंह कुटलेहड़िया के उत्कृष्ट प्रदर्शन की मान्यता में, उन्हें श्रेष्ठ दिव्यांगजन की श्रेणी के तहत व्यक्तिगत उत्कृष्टता 2022 का राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किया जाता है।

Shri Raghunath Singh Kutlehria aged 24 years, despite having Intellectual disability of 50% has passed 12th Standard. He is a sportsperson, and won Gold and Silver medal in National Cycling Championship held in Ranchi in 2018. He won 1 Gold and 1 silver medal in cycling at World Summer Special Olympics held in Abu Dhabi in March, 2019.

In recognition of Shri Raghunath Singh Kutlehria's outstanding performance in Sports, he receives the National Award for Individual Excellence 2022 under the category of Shrestha Divyangjan.

व्यक्तिगत उत्कृष्टता 2022 के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार - श्रेष्ठ दिव्यांगजन - कोई भी निर्दिष्ट दिव्यांगता

National Award for Individual Excellence 2022 - Shrestha Divyangjan - Any Specified Disability

सुश्री पूजा गुप्ता
ए127, भूतल, सनलाइट कॉलोनी 2,
हरि नगर, आश्रम,
दिल्ली – 110014

Sushri Pooja Gupta
A127, ground floor,
sunlight colony 2,
Hari Nagar, Ashram,
Delhi - 110014

सुश्री पूजा गुप्ता, 41 वर्ष, जन्म से ही रक्त विकार से 85% दिव्यांग हैं | उन्होंने एमएससी और एमसीए किया है। वे एचसीएल टेक्नोलॉजीज लिमिटेड में एक सीनियर टेक्निकल लीड के रूप में काम कर रही हैं। वे सामाजिक कार्यों में भी शामिल हैं और रक्तदान शिविरों, अभियानों और थैलेसीमिया जागरूकता में एक वक्ता के रूप में भी भाग लेती हैं। उत्कृष्ट कार्य के लिए उन्हें एशियन थैलेसीमिया वारियर अवार्ड, 2020, टाटा स्टील सबल रोल मॉडल, 2022 के साथ-साथ उनके नियोक्ता सहित विभिन्न संगठनों द्वारा कई पुरस्कार दिए जा चुके हैं।

उनकी उत्कृष्ट उपलब्धियों की मान्यता में उन्हें 'श्रेष्ठ दिव्यांगजन' श्रेणी के तहत व्यक्तिगत उत्कृष्टता 2022 के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किया जाता है।

Sushri Pooja Gupta 41 years of age has 85% disability of blood disorder) by birth. She has done M.Sc and MCA. She is working as a Senior Technical Lead in HCL Technologies Ltd. She is also involved in social work and takes part as a speaker as also part of many blood donation camps, drives, and thalassemia awareness. For the outstanding work she has been given Asian Thallassemia Warrior Award, 2020, Tata Steel Sabal Role Model, 2022 as also a number of awards by various organizations including her employer.

In recognition of her outstanding achievements the National Award for Individual Excellence 2022 under the category 'Shrestha Divyangjan' is conferred on her.

व्यक्तिगत उत्कृष्टता 2022 के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार - श्रेष्ठ दिव्यांगजन - कोई भी निर्दिष्ट दिव्यांगता

National Award for Individual Excellence 2022 - Shrestha Divyangjan - Any Specified Disability

श्री कृष्णा कुमार एम. पी.
मांबाला परांबिल हाउस मांबाला,
परश्शिनिक्कडव,
कन्नूर - 670563
केरल

Shri Krishnakumar MP
Mambala Parambil House Mambala,
Parassinikadavu,
Kannur - 670563
Kerala

श्री कृष्णा कुमार एम. पी. 53 वर्ष, को 40% क्रोनिक न्यूरोलॉजिकल से पीडित हैं। उन्होंने एसएसएलसी, आईटीआई किया है और वर्तमान में अंथूर में कन्वेक्शन काउंसलर के रूप में काम कर रहे हैं। उन्होंने करिनकुटी संस्थान थैय्यम परफोर्मर डांस फेस्टिवल एंड क्राफ्ट फेयर, नई दिल्ली में प्रदर्शन किया है। उन्होंने एआईआर कन्नूर के थोटमपट्टू में एक कलाकार के रूप में काम किया है। उन्होंने केरल में दिव्यांगजनों की आपातकालीन प्रतिक्रिया क्षमताओं को मजबूत करने के विषय पर आयोजित एक कार्यशाला में भी भाग लिया है। वे दक्षिण क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र तंजावूर में एक कला प्रदर्शक भी हैं।

कला और संस्कृति में उनकी उपलब्धियों के लिए, श्री कृष्णा कुमार एम. पी. को 'श्रेष्ठ दिव्यांगजन' श्रेणी के तहत व्यक्तिगत उत्कृष्टता 2022 के राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया जा रहा है।

Shri Krishna Kumar M.P. 53 years, has 40% Chronic Neurological Conditions. He has done SSLC, ITI and is presently working as Convection Counselor at Anthoor. He has performed in the Karinkuti Sansthan Theyyam Performer Folk Dance Festival and Craft Fair, New Delhi. He has worked as an artist in Thotampattu of AIR Kannur. He has also participated in a workshop on the strengthening of Emergency Response Capabilities of the Differently Abled People in Kerala. He is also a performer at South Zone Cultural Centre Thanjavoor.

For his accomplishments in Art and Culture, Shri Krishna Kumar MP is being conferred with the National Award for Individual Excellence 2022 under the category 'Shrestha Divyangjan'.

दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार - 2022 - श्रेष्ठ दिव्यांग बाल/बालिका

National Award for Empowerment of Persons with Disabilities - 2022 - Shrestha Divyang Bal/Balika

सुश्री श्रेया मिश्रा
डोर नं. 9-40 ए,
कस्पा स्ट्रीट, चीपुरुपल्ली, विजयनगरम् जिला,
आंध्र प्रदेश

Sushri Shreya Mishra
Door no 9-40 A,
Kaspa Street, Cheepurupalli,
Vijayanagaram Dist,
Andhra Pradesh

सुश्री श्रेया मिश्रा, 16 वर्ष, 100% बौद्धिक दिव्यांगता से ग्रस्त हैं। वह बारहवीं कक्षा में पढ़ रही है, और 2010 से एक शास्त्रीय नर्तक (भरतनाट्यम) है और उन्होंने कुचिपुड़ी भी सीखी है। वर्ष 2011 से ओडिशा और आंध्र प्रदेश में विभिन्न स्थानों में मंच प्रदर्शन किया है। उन्होंने कोविड-19 के दौरान दुबई में आयोजित वर्ष 2020 और 2021 में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस के अवसर पर 3 ऑनलाइन शास्त्रीय नृत्य प्रदर्शनों में भी भाग लिया है। राष्ट्रीय स्तर पर नाट्य उर्वशी और जिला स्तर पर नर्तना बाला पुरस्कार जैसे पुरस्कार जीते हैं।

सुश्री श्रेया मिश्रा को उनकी उत्कृष्ट रचनात्मक प्रतिभा मान्यता देने के लिए 'श्रेष्ठ दिव्यांग बाल/बालिका' श्रेणी के तहत व्यक्तिगत उत्कृष्टता 2022 के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार दिया गया है।

Sushri Shreya Mishra aged 16 years has 100% Intellectual Disability. She is pursuing Class XII, and has been a Classical Dancer (Bharatnatyam) since 2010 and also learnt Kuchipudi. She has been rendering stage performances at various places in Odisha and Andhra Pradesh since 2011. She also participated in 3 online classical dance performances on the occasion of International Day for person with disabilities in the years 2020 & 2021 conducted at Dubai during COVID 19. She won Awards such as Natya Urvashi at National level and Narthana Bala Award at District level.

In recognition of her outstanding creative talent, Sushri Shreya Mishra is given the National Award for Individual Excellence 2022 under the category 'Shrestha Divyang Bal/Balika'

दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार - 2022 - श्रेष्ठ दिव्यांग बाल/बालिका

National Award for Empowerment of Persons with Disabilities - 2022 - Shrestha Divyang Bal/Balika

मास्टर अवनीश तिवारी
मकान नं. 139, सेक्टर-एस,
सिलिकॉन सिटी
इंदौर - 452012

Master Avnish Tiwari
House No.139, Sector-S,
Silicon City
Indore – 452012

मास्टर अवनीश तिवारी 8 वर्ष, जन्म विकार (बर्थ डिफेक्ट्स) के साथ पैदा हुए बच्चे को उसके जैविक माता-पिता द्वारा जन्म के बाद एक अनाथालय में छोड़ दिया गया था। एकल अभिभावक द्वारा 50% बौद्धिक दिव्यांग बच्चे का गोद लिया गया। मास्टर अवनीश ने 6 वर्ष की उम्र से ही खेलों में अपने जुनून को तालीम देना शुरु कर दिया था। वह स्पेशल ओलंपिक भारत के एथलीट हैं। वे 7 वर्ष की उम्र में माउंट एवरेस्ट बेस कैंप की ट्रेकिंग पर गए थे। दिव्यांग होने के बावजूद, इतनी कम उम्र में मास्टर अवनीश तिवारी की उपलब्धियां न केवल प्रशंसनीय हैं बल्कि जन्म विकार (बर्थ डिफेक्ट्स) के साथ पैदा हुए लोगों के लिए प्रेरणास्रोत हैं।

इतनी कम उम्र में उनके काम को मान्यता देने के लिए, मास्टर अवनीश तिवारी को 'श्रेष्ठ दिव्यांग बाल/बालिका' श्रेणी के तहत व्यक्तिगत उत्कृष्टता 2022 का राष्ट्रीय पुरस्कार दिया जाता है।

Master Avnish Tiwari 8 years, a child born with birth defects was left in an orphanage after the birth by his biological parents. 50% Intellectually Disabled, he was adopted by a single parent. Master Avnish started nurturing his passion in sports since the age of 6. He is an athlete of Special Olympic Bharat. He went on the trekking to Mount Everest Base Camp at the age of 7. Despite having disability, the achievements of Master Avnish Tiwari at such a young age are not only laudable but inspiring to persons born with birth defects.

In recognition of his work at such a young age, the National Award for Individual Excellence 2022 under the category 'Shrestha Divyang Bal/Balika' is given to Master Avnish Tiwari.

व्यक्तिगत उत्कृष्टता 2022 के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार - दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण के लिए कार्यरत सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति

National Award for Individual Excellence 2022 - Divyangjano Ke Sashaktikaran Ke Liye Karyarath Sarvshrestha Vyakti

सुश्री पूजा सुरेशभाई वघासिया
द्वारकेश अपार्टमेंट, 102,
बेबीलैंड शोरुम के ऊपर तीसरी मंजिल,
अमीन मार्ग,
राजकोट- 360001

Sushri Pooja Sureshbhai Vaghasiya
Dwarkesh Apartment, 102,
3rd Floor above Babyland
Showroom, Amin Marg,
Rajkot- 360001

सुश्री पूजा सुरेशभाई वघासिया, एम.एड. (विशेष शिक्षा) 43 वर्ष की हैं। वे मानसिक रूप से दिव्यांग बच्चों के लिए विशेष शिक्षक हैं, उनके पास विशेष बच्चों को शिक्षित करने का 15 वर्ष का अनुभव है। वह बौद्धिक दिव्यांगता ग्रस्त बच्चे की मां भी है। वह प्रयास पेरेंट्स एसोसिएशन नाम के अपने एनजीओ में 200 से भी अधिक विशेष बच्चों की देखभाल कर रही हैं। वह विशेष बच्चों के प्रति अपने समर्पित कार्य के कारण कई महिलाओं के लिए एक प्रेरणास्त्रोत हैं। उनका सपना न्यूनतम या बिना किसी शुल्क के 2000 विशेष बच्चों की मां बनना है। उनके काम की सराहना गुजरात में विभिन्न प्राधिकरण द्वारा भी की गई है।

सुश्री पूजा सुरेशभाई वघासिया द्वारा किए जा रहे प्रशंसनीय कार्यों के लिए उन्हें 'दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण के लिए कार्यरथ सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति' श्रेणी के तहत व्यक्तिगत उत्कृष्टता 2022 का राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किया जाता है।

Sushri Pooja Sureshbhai Vaghasiya, MEd. (Special Education) is 43 years. Special Educator for Mentally Challenged children, she has the experience of 15 years of educating special children. She is also the mother of a child with intellectual disability. She has been taking care of 200+ Special Children at her NGO named Prayas Parents Association. She is an inspiration for many women due to her dedicated work towards special children. Her dream is to become Mother of 2000 Special Children with a minimal or no fee. Her work has also been appreciated by various authorities in Gujarat.

For the laudable work being done by Sushri Pooja Sureshbhai Vaghasiya, the National Award for Individual Excellence 2022 under the category 'Divyangjano Ke Sashaktikaran Ke Liye Karyarath Sarvshrestha Vyakti' is conferred on her.

व्यक्तिगत उत्कृष्टता 2022 के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार - दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण के लिए कार्यरत सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति

National Award for Individual Excellence 2022 - Divyangjano Ke Sashaktikaran Ke Liye Karyarath Sarvshrestha Vyakti

श्री हरमनजीत सिंह
मकान नं. 37/200 शास्त्री नगर, बटाला, पंजाब – 143505.

Shri Harmanjit Singh
H.NO 37/200 Shastri Nagar, Batala, Punjab - 143505

श्री हरमनजीत सिंह 47 वर्ष के हैं और एक व्यवसायी हैं। वह एक सामाजिक कार्यकर्ता भी हैं और पिछले 15 वर्षों से पंजाब (बटाला) में जन कल्याण चैरिटेबल सोसाइटी चला रहे हैं। वह दिव्यांगजनों के पुनर्वास और सहायक उपकरणों के वितरण से संबंधित कार्य कर रहे हैं। दिव्यांगजनों के पुनर्वास से संबंधित उनके काम के लिए, पंजाब सरकार ने वर्ष 2016 में उनको राज्य पुरस्कार से सम्मानित किया है।

'दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण के लिए कार्यरत सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति' श्रेणी के तहत व्यक्तिगत उत्कृष्टता 2022 के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार श्री हरमनजीत सिंह को प्रदान किया जाता है।

Shri Harmanjit Singh is aged 47 years and is a business man. He is also a social worker and has been running Jan Kalyan Charitable Society in Punjab (Batala) for the last 15 years. He is engaged in the rehabilitation of divyangjan and the distribution of Assistive Devices. For his work of rehabilitation of persons with disabilities, the Govt. of Punjab conferred State Award in 2016.

The National Award for Individual Excellence 2022, under the category 'Divyangjano Ke Sashaktikaran Ke Liye Karyarath Sarvshrestha Vyakti' is given to Shri Harmanjit Singh

व्यक्तिगत उत्कृष्टता 2022 के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार - दिव्यांगता के क्षेत्र में कार्यरत सर्वश्रेष्ठ पुनर्वास पेशवर (पुनर्वास पेशेवर/कार्यकर्ता) -

National Award for Individual Excellence 2022 - Divyangatha Ke Kshetra Mein Karyarath Sarvshrestha Punarvas Peshevar (Rehabilitation Professional/worker)

डॉ. वीरेंद्र किशन शांडिल्य
91 उर्मी सोसायटी, अलकापुरी,
वडोदरा 390007

Dr. Veerendra Kishan Shandilya
91 Urmi Society, Alkapuri,
Vadodara 390007

डॉ वीरेंद्र शांडिल्य, 57 वर्ष, एक ऑर्थोटिस्ट और प्रोस्थेटिस्ट हैं। उन्होंने अपने पेटेंट किए गए एंडो-स्केलेटल प्रोस्थेटिक नी ज्वाइंट डिजाइन के लिए प्रोस्थेटिक्स में डॉक्टरेट किया है जो भारत में कम लागत वाले हैं और एमप्यूटियो के लिए कार्यात्मक है। उन्होंने विश्व भर में 4 लाख लाभार्थियों को ऑर्थोटिक और प्रोस्थेटिक से लाभान्वित किया है। वह एक निजी प्रोस्थेटिक और ऑर्थोटिक चिकित्सक होने के अलावा जया पुनर्वास केंद्र, बिडाडा में निदेशक के रूप में भी जुड़े हुए हैं। वे एलिम्को के आधुनिकीकरण परियोजना में विषय विशेषज्ञ के रूप में भी कार्यरत थे। उन्हें अपने ज्ञान और क्लीनिकल विशेषज्ञता का साझा करने के लिए कई कॉलेजों में शिक्षक और फैकल्टी के अलावा दिव्यांगजन को मैराथन में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करने के साथ-साथ अनुसंधान साक्ष्य सहित प्रोस्थेटिक और ऑर्थोटिक में नवीन तरीकों को विकसित करने के लिए जाना जाता है।

डॉ. वीरेंद्र किशन शांडिल्य द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्य को मान्यता देने के लिए, दिव्यांगता के क्षेत्र में कार्यरत सर्वश्रेष्ठ पुनर्वास पेशेवर श्रेणी के तहत उन्हें व्यक्तिगत उत्कृष्टता 2022 के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किया जा रहा है।

Dr. Veerendra Shandilya 57 years old, is a Orthotist and Prosthetist. He has done doctorate in prosthetics for his patented endo-skeletal prosthetic knee joint design which are low cost and functional for amputees in India. He has fitted 4 lakh beneficiaries with orthotic and prosthetic world wide. He is also associated as director at Jaya Rehabilitation Center, Bidada besides being a private Prosthetic and Orthotic clinician. He was also associated in the modernization project of ALMICO as a subject expert. He is known for encouraging Divyangjan to participate in marathon as well as developing innovative methods in prosthetic and orthotic with research evidence besides a teacher & faculty to many colleges sharing his knowledge and clinical expertise.

In recognition of the outstanding work done by Dr. Veerendra Kishan Shandilya, the National Award for Individual Excellence 2022 under the category Divyangatha Ke Kshetra Mein Karyarath Sarvshrestha Punarvas Peshevar is being conferred on him.

व्यक्तिगत उत्कृष्टता 2022 के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार - दिव्यांगता के सशक्तिकरण के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान/नवप्रवर्तन/उत्पाद विकास

National Award for Individual Excellence 2022 - Divyangatha Ke Sashaktikaran Ke Kshetra Mein Sarvshrestha Anusandhan/ Navpravartan /Utpad Vikas

डॉ. भाऊसाहेब अशोक बोत्रे
एसडब्ल्यूज़े कंट्रोल सिस्टम लैब,
सोसाइटी इलेक्ट्रॉनिक्स ग्रुप, सीएसआईआर – सीईईआरआई, पिलानी,
राजस्थान – 333031.

Dr. Bhausaheb Ashok Botre
SWG Control System Lab,
Societal Electronics Group,CSIR - CEERI, Pilani,
Rajasthan - 333031

डॉ. भाऊसाहेब अशोक बोत्रे 44 वर्ष के हैं परन्तु उन्हें 100% गतिविषयक दिव्यांगता है फिर भी उन्होंने पीएचडी. (इलेक्ट्रॉनिक्स) किया है तथा सीएसआईआर, राजस्थान में प्रधान वैज्ञानिक के पद पर कार्यरत हैं। डॉ. बोत्रे ने झुकाव वाली सड़कों, फ्लाईओवरों, पहाड़ी क्षेत्रों में दिव्यांगजनों के मदद के लिए इलेक्ट्रिक के साथ-साथ हैंड पैडल सहित ब्रेकिंग और फॉरवर्ड और रिवर्स सिस्टम सर्किट वाले ई-असिस्ट ट्राइ-साइकिल का एक प्रोटोटाइप विकसित किया है। यह उत्पाद लागत प्रभावी है अर्थात् 35,000 रुपये प्रति यूनिट के बाजार लागत की तुलना में यह 25 ई-असिस्ट ट्राईसाइकिल के एक बैच के लिए लगभग 30,000 रुपये प्रति यूनिट ही लगता है। डॉ. बोत्रे ने दो पेटेंट और एक कॉपी राइट आवेदन जमा किए हैं।

'दिव्यांगता के सशक्तिकरण के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान/नवप्रवर्तन/उत्पाद विकास' श्रेणी के तहत व्यक्तिगत उत्कृष्टता 2022 के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार डॉ. भाऊसाहेब अशोक बोत्रा को दिया जाता है।

Dr. Bhausaheb Ashok Botre 44 years of age but with 100% Locomotor Disability, PhD. (Electronics) is working as Principal Scientist at CSIR Rajasthan. Dr. Botre has developed a prototype of an E-assist tri-cycle with electric as well as hand paddles to help in inclined roads, flyovers, hilly areas with breaking and forward and reverse system circuits. The Product is cost effective i.e. around Rs 30000 per unit for a batch of 25 e-assist tri cycles as compared to the market cost of Rs 35000 per unit. Dr. Botra has submitted two patents and one copy right applications.

National Award for Individual Excellence 2022 under the category of ‘Divyangatha Ke Sashaktikaran Ke Kheshtra Mein Sarvshrestha Anusandhan/ Navpravartan / Utpad Vikas’ is given to Dr. Bhausaheb Ashok Botra.

दिव्यांगजनों को सशक्त बनाने में कार्यरत संस्थानों के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार, 2022 - दिव्यांग सशक्तिकरण पुरुष कार्यरत सर्वश्रेष्ठ संस्थान (निजी संस्थान, एनजीओ)

National Award for Institutions engaged in Empowering Persons with Disabilities, 2022 - Divyang Sashaktikaran Men Karyarath Sarvshrestha Sansthan (Private organization, NGO)

महात्मा गांधी सेवा संघ
गांधी भवन, सरकारी पुस्तकालय के पास,
नूतन कॉलोनी, समर्थ नगर,
औरंगाबाद,
महाराष्ट्र 431001

Mahatma Gandhi Seva Sangh
Gandhi Bhavan, near Govt. Library,
Nutan Colony, Samarth Nagar,
Aurangabad,
Maharashtra 431001

इस संगठन की स्थापना वर्ष 1994 में विभिन्न दिव्यांगजनों को सामाजिक, शैक्षिक और पुनर्वास सेवाएं तथा अधिकार प्रदान करने के लिए की गई थी। यह संगठन दिव्यांगजनों के पुनर्वास और सशक्तिकरण के लिए महाराष्ट्र और गोवा पर ध्यान केंद्रित करते हुए भारतभर में कार्य करता है। इसके अलावा, संगठन को इस विभाग द्वारा महाराष्ट्र में 2008, 2009, 2011, 2018, 2019 और 2020 में 9 जिला दिव्यांगता पुनर्वास केंद्रों और गोवा में एक केंद्र के संबंध में कार्यान्वयन एजेंसी होने की जिम्मेदारी भी सौंपी गई है।

दिव्यांगजनों को पुनर्वास प्रदान करने में महात्मा गांधी सेवासंघ, औरंगाबाद द्वारा किए जा रहे कार्यों की मान्यता में 'दिव्यांग सशक्तिकरण पुरुष कार्यरत सर्वश्रेष्ठ संस्थान' की श्रेणी में संस्थागत सशक्तिकरण के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार 2022 प्रदान किया जाता है।

The organization came into being in the year 1994 to provide social, educational, and rehabilitation services and rights to persons with various disabilities. The organization works across India, focusing on Maharashtra and Goa, for the rehabilitation and empowerment of persons with disabilities. Besides, the organization has also been given the responsibility of being the Implementing Agency in respect of 9 District Disability Rehabilitation Centers in 2008, 2009, 2011, 2018, 2019 and 2020 in Maharashtra and one in Goa by this Department.

In recognition of the work being done by Mahatma Gandhi Seva Sangh, Aurangabad in providing rehabilitation to persons with disabilities, the National Award 2022 for Institutional Empowerment in the category of 'Divyang Sashaktikaran Mein Karyrat Sarvshrestha Sansthan'

दिव्यांगजनों को सशक्त बनाने में कार्यरत संस्थानों के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार, 2022 - दिव्यांग सशक्तिकरण पुरुष कार्यरत सर्वश्रेष्ठ संस्थान (निजी संस्थान, एनजीओ)

National Award for Institutions engaged in Empowering Persons with Disabilities, 2022 - Divyang Sashaktikaran Men Karyarath Sarvshrestha Sansthan (Private organization, NGO)

बलवंत राय मेहता विद्या भवन
अंगूरीदेवी
शेरसिंह मेमोरियल एकेडमी, नई दिल्ली,
ग्रेटर कैलाश पार्ट-II,
नई दिल्ली-110048

Balvantray Mehta Vidya Bhawan
Anguridevi
Shersingh Memorial Academy
Greater Kailash Part-II,
New Delhi-110048

वर्ष 1995 में स्थापित बलवंत राय मेहता विद्या भवन अंगूरीदेवी शेरसिंह मेमोरियल एकेडमी सीनियर सेकेंडरी स्कूल दिव्यांग बच्चों के लिए एक विशेष स्कूल चलाता है और समावेशी शिक्षा प्रदान भी करता है। इसने अब तक 5000 से अधिक दिव्यांग बच्चों को कवर किया है। इस स्कूल में 3825 छात्र हैं और इसमें से 3500 सामान्य छात्र हैं और 325 विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चे हैं। दिव्यांग बच्चों को विभिन्न प्रकार के कौशल प्रदान करने के लिए इस स्कूल में एक व्यावसायिक केंद्र भी है। इस स्कूल को एकीकृत / समावेशी शिक्षा के क्षेत्र में 'मॉडल स्कूल' के रुप में ग्रेड से सम्मानित किया गया है।

'दिव्यांग सशक्तिकरण पुरुष कार्यरत सर्वश्रेष्ठ संस्थान' श्रेणी के तहत संस्थागत सशक्तिकरण, 2022 के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार बलवंत राय मेहता विद्या भवन अंगूरीदेवी शेरसिंह मेमोरियल एकेडमी को प्रदान किया जाता है।

Balvantray Mehta Vidya Bhawan Anguridevi Shersingh Memorial Academy Senior Secondary School established in 1965 runs a special school for children with disabilities as also runs and imparts inclusive education. It has so far covered more than 5000 children with disabilities. The School has 3825 students on its roll and out of this 3500 are general students and 325 are Children With Special Needs. The school also has a Vocational Centre for imparting various types of skills to children with disabilities. The school has been honored with the grade as a 'Model School' in the field of Integrated/ Inclusive Education.

The National Award for Institutional Empowerment, 2022 under the category 'Divyang Sashaktikaran Men Karyrat Sarvshrestha Sansthan' is given to Balvantray Mehta Vidya Bhawan Anguridevi Shersingh Memorial Academy

दिव्यांगजनों को सशक्त बनाने में कार्यरत संस्थानों के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार, 2022 - दिव्यांगजनो के लिए सर्वश्रेष्ठ नियोक्ता

National Award for Institutions engaged in Empowering Persons with Disabilities, 2022 - Divyangjano Ke Liye Sarvshrestha Niyoktha

मेसर्स एक्सेंचर सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड
प्रेस्टीज स्टार टेक ए-ब्लॉक, कोरमंगला इंडस्ट्रियल लेआउट,
कोरमंगला, बेंगलुरु, कर्नाटक 560034

M/s Accenture Solutions Pvt. Ltd
Prestige Star Tech A-Block,
Koramangala
Industrial Layout, Koramangala,
Bengaluru,
Karnataka 560034

मेसर्स एक्सेंचर सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड ने अपनी वैश्विक पेशेवर सेवाओं में दृश्य और गैर-दृश्य दिव्यांगताओं वाले लगभग 2000 व्यक्तियों को नियुक्त किया है जिसमें 0.6% इसके कर्मचारियों की संख्या है। दिव्यांगजनों को 30 से भी अधिक विभिन्न भूमिकाओं में प्रौद्योगिकी और सॉफ्टवेयर से लेकर डिजाइन और वित्त तक विभिन्न क्षेत्रों में नियोजित किया जाता है। एक्सेंचर ने व्यापार करने के लिए अपने आधारभूत सिद्धांतों को प्राथमिकता देने के माध्यम से अपने कामकाज में दिव्यांगजनों सहित प्रगति का सिलसिला जारी रखा है। इसके परिणामस्वरुप, दिव्यांगजनों की भर्ती में 50% की वृद्धि हुई है और उनकी उन्नति तथा प्रगति सुनिश्चित की गई है।

संस्थागत सशक्तिकरण के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार, 2022 'दिव्यांगजनों के लिए सर्वश्रेष्ठ नियोक्ता' श्रेणी के तहत मेसर्स एक्सेंचर सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड, बेंगलुरु को प्रदान किया जाता है ।

Accenture Solutions Pvt. Ltd employs nearly 2000 persons with visible and non-invisible disabilities in its global professional services which constitutes 0.6% of its workforce. Persons with disabilities are employed across various fields ranging from technology and software to design and finance in more than 30 different roles. Accenture is continuing to establish advancement including of persons with disabilities in its working might through prioritization of its fundamentals to do business. As a result, increasing hiring of persons with disabilities by 50% and ensuring their advancement and progress .

The National Award for Institution Empowerment, 2022 under the category 'Divyangjano Ke Liye Sarvshrestha Niyoktha' is given to M/s Accenture Solutions Pvt. Ltd, Bengaluru.

दिव्यांगजनों को सशक्त बनाने में कार्यरत संस्थानों के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार, 2022 - दिव्यांगजनों के लिए सर्वश्रेष्ठ प्लेसमेंट एजेंसी

National Award for Institutions engaged in Empowering Persons with Disabilities, 2022 - Divyangjano Ke Liye Sarvshrestha Placement Agency

डॉ. रेड्डीज फाउंडेशन
6-3-655/12, सोमाजीगुड़ा,
हैदराबाद - 500082
तेलंगाना

Dr. Reddys Foundation
6-3-655/12, Somajiguda,
Hyderabad–500082
Telangana

डॉ रेड्डीज फाउंडेशन (डीआरएफ) ने दिव्यांगजनों के लिए ग्रो नामक एक फ्लैगशिप कार्यक्रम विकसित किया है। यह कार्यक्रम मुख्य रोजगार कौशल में प्रशिक्षण प्रदान करता है, जिसमें शारीरिक, दृष्टि, वाक्, बौद्धिक दिव्यांगता और ऑटिज्म इत्यादि सहित 11 विभिन्न दिव्यांगताओं की आवश्यकताओं को पूरा किया जाता है। अधिकांश प्रशिक्षण केंद्र गंभीर दिव्यांगता ग्रसित व्यक्तियों के अनुकूल पहुंच योग्य हैं। यह फाउंडेशन प्रत्येक वर्ष लगभग 6000 उम्मीदवारों को प्रशिक्षण दे रहा है। कार्यक्रम यह सुनिश्चित करता है कि प्रशिक्षित दिव्यांग व्यक्ति विभिन्न क्षेत्रों में प्रवेश-स्तर की नौकरियों के लिए तैयार होंगे। ग्रो कार्यक्रम की प्लेसमेंट दर आज की तारीख में 60% है और औसत वेतन रु. 10,000 प्रति माह है। बहु-राष्ट्रीय कंपनियों में प्लेसमेंट हासिल करने के लिए सहायता हेतु स्नातकों के लिए उन्नत (एडवांस) स्तर का प्रशिक्षण भी आयोजित किया जा रहा है।

दिव्यांगजनों के लिए सर्वश्रेष्ठ प्लेसमेंट एजेंसी श्रेणी के तहत संस्थागत सशक्तिकरण 2022 के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार डॉ रेड्डीज फाउंडेशन को प्रदान किया जाता है।

Dr. Reddy's Foundation (DRF) has developed a flagship program called GROW for Persons with Disabilities. The program offers training in core employability skills, catering to 11 different disabilities including Physical, Visual, Speech, Intellectual Disability and Autism, etc. Most of the training centers are accessible to accommodate people with severe disabilities. The Foundation has been training nearly 6000 aspirants every year. The program ensures that the Persons with Disabilities trained will be ready for entry-level jobs in various sectors. The GROW programme has a placement rate of 60% to date with an average salary of Rs. 10,000 per month. Advance level training is also being organized for Graduates to aid them in securing placements with Multi-National Companies.

The National Award for Institutional Empowerment 2022 under the category Divyangjano Ke Liye Sarvshrestha Placement Agency is given to Dr. Reddy's Foundation.

दिव्यांगजनों को सशक्त बनाने में कार्यरत संस्थानों के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार, 2022 - सुगम्य भारत अभियान के कार्यान्वयन/बाधामुक्त वातावरण के सृजन में सर्वश्रेष्ठ राज्य/संघ राज्य क्षेत्र/जिला

National Award for Institutions engaged in Empowering Persons with Disabilities, 2022 - Sugamya Bharat Abhiyan Ke Karyanvayan/ Badhamukta Vatavaran Ke Srijan Mein Sarvshrestha Rajya/UT/Zila

महाराष्ट्र राज्य
दिव्यांगजन आयुक्त, महाराष्ट्र सरकार
3 चर्च रोड
पुणे - 01
महाराष्ट्र

State of Maharashtra
Commissioner Disability, Govt. of Maharashtra
3 Church Road
Pune - 01
Maharashtra

सुगम्य भारत अभियान के तहत महाराष्ट्र के चार मुख्य शहरों में कुल 180 सरकारी भवनों का सुगम्य लेखा-परीक्षा किया गया है। कुल 180 भवनों की पहचान की गई, जिनमें से 142 भवनों के संबंध में प्रस्ताव भेजे गए हैं। 137 भवनों में रेट्रोफिटिंग का काम पूरा हो गया है। 2167.38 लाख रु. की कुल धनराशि में से 1930.84 लाख रु. का उपयोग प्रमाण पत्र केंद्र सरकार को भेजा गया है। शेष 38 में से, 15 भवनों के संबंध में योजना और भवन आकलन प्रस्तुत किया जा चुका है।

विभाग द्वारा वर्ष 2015 में शुरु किए गए सुगम्य भारत अभियान के कार्यान्वयन में महाराष्ट्र राज्य द्वारा किए जा रहे कार्य के लिए 'सुगम्य भारत अभियान के कार्यान्वयन/बाधामुक्त वातावरण के सृजन में सर्वश्रेष्ठ राज्य' श्रेणी के तहत संस्थागत सशक्तिकरण 2022 के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार महाराष्ट्र राज्य को प्रदान किया जाता है।

Under the Sugamya Bharat Abhiyan access audit of total 180 Government buildings in four major cities of Maharashtra has been done under Accessible India Campaign. A total of 180 buildings have been identified out of which proposals in respect of 142 buildings sent. The retrofitting work completed in 137 buildings. Total funds amounting to Rs. 2167.38 lakhs, out of this utilization certificate of amount Rs. 1930.84 lakh sent to the Central Government. Out of remaining 38, buildings plan and estimate of 15 buildings have been submitted.

The work being done by the State of Maharashtra in implementing the Sugamay Bharat Abhiyan launched by the Department in the year 2015, the National Award for Institutional Empowerment 2022 under the category 'Sugamya Bharat Abhiyan Ke Karyanvayan/ Badhamukta Vatavaran Ke Srijan Mein Sarvshrestha Rajya' is given to the State of Maharashtra.

दिव्यांगजनों को सशक्त बनाने में कार्यरत संस्थानों के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार, 2022 – दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम/यूडीआईडी एवं दिव्यांग सशक्तिकरण की अन्य योजनाओं के कार्यान्वयन में सर्वश्रेष्ठ राज्य/संघ राज्य क्षेत्र/जिला

National Award for Institutions engaged in Empowering Persons with Disabilities, 2022 - Divyangjano Ke Adhikar Adhiniyam/UDID Evem Divyang Sashaktikaran ki Anya Yojanaon ke Karyanvayan Mein Sarvshrestha Rajya/UT/Zila

जिला प्रशासन - अलवर
महल चौक,
अलवर

District Administration - ALWAR
Mahal Chowk,
ALWAR

जिला प्रशासन अलवर सरकार की विभिन्न योजनाओं के तहत दिव्यांगजनों को कवर करने की दृष्टि से जरूरतमंद दिव्यांगजनों की पहचान करने के लिए "सक्षम-अलवर अभियान" अर्थात् डोर टू डोर सर्वेक्षण चला रहा है। अप्रैल से मई 2022 के दौरान जिले में ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में 22 स्थानों पर सर्वेक्षण शिविर आयोजित किए गए और 20,000 से भी अधिक दिव्यांगजनों की पहचान की गई है। इस योजनाओं के तहत 26198 यूडीआईडी कार्ड, 27717 दिव्यांगता प्रमाण पत्र, 29328 दिव्यांग पेंशनभोगी, 3833 एसएपी छात्र, 3752 एसएपी पालनहार, 1296 एसएपी परिवार, आस्था कार्ड, 1501 बस पास, एडिप योजना के तहत 1685 लाभार्थियों को 149 कृत्रिम अंग भी दिव्यांगजनों को वितरित किए गए। दृष्टिबाधित व्यक्तियों के लिए ब्रेल प्रशिक्षण कार्यक्रम के अलावा विशेष रूप से सक्षम दिव्यांगजनों के लिए परिचय समारोह एवं विवाह समारोह का भी आयोजन किया गया है।

संस्थागत सशक्तिकरण श्रेणी के तहत राष्ट्रीय पुरस्कार 2022 'दिव्यांगजन के अधिकार अधिनियम/यूडीआईडी एवं दिव्यांग सशक्तिकरण की अन्य योजनाओं के कार्यान्वयन में सर्वश्रेष्ठ जिला' राजस्थान के अलवर जिले को प्रदान किया जाता है।

District Administration Alwar is running a "SAKSHAMA-ALWAR ABHIYAN" i.e. door to door survey to identify the needy person with disabilities with a view to covering them under various schemes of Government. During April to May 2022 survey camps organised at 22 locations both in rural and urban areas in the District and more than 20,000 persons with disabilities have been identified. Under the schemes 26198 UDID Cards, 27717 disability certificates, 29328 Disable pensioners, 3833 SAP students, 3752 SAP Palanhar, 1296 SAP Families, Astha Cards, 1501 Bus Passes, 1685 beneficiaries under ADIP scheme as also 149 Artificial Limbs were distributed to divyangjan. For persons with visual impairment brail training programme besides introductory ceremony and marriage ceremony for specially abled person have also been organised.

The National Award 2022 under Institutional Empowerment category 'Divyangjan Ke Adhikar Adhiniyam/UDID Evam Divyang Sashktikaran Ki Anya Yojanaon ke Karyanvayan Mein Sarvshrestha Zilla is conferred on the Alwar District of Rajasthan.

दिव्यांगजनों को सशक्त बनाने में कार्यरत संस्थानों को राष्ट्रीय पुरस्कार, 2022 – दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 के अपने राज्य में कार्यान्वयन में सर्वश्रेष्ठ राज्य दिव्यांगजन आयुक्त

National Award for Institutions engaged in Empowering Persons with Disabilities, 2022 - Divyangjano Ke Adhikar Adhiniyam, 2016 Ke Apne Rajya Mein Karyanvayan Mein Sarvshrestha Rajya Divayngjan Aayukta

राज्य आयुक्त दिव्यांगजन हरियाणा
पुराना अंत्योदय भवन,
कोठी नंबर 9 के सामने,
सेक्टर 6, पंचकूला
हरियाणा

State Commissioner for the Persons with Disabilities Haryana
Old Antodaya Bhawan,
Opposite Kothi No 9,
Sector 6, Panchkula
Haryana

राज्य आयुक्त दिव्यांगजन का कार्यालय दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 के तहत दिए गए अधिदेश को लागू करने में उत्कृष्ट कार्य कर रहा है। हरियाणा राज्य में राज्य आयुक्त दिव्यांगजन हरियाणा के कार्यालय द्वारा दिव्यांगजनों की शिकायतों को दूर करने और दिव्यांगजनों के अधिकारों की रक्षा करने के लिए उनके द्वारा उठाए गए स्वप्रेरित नवीन और प्रभावी कदम प्रशंसनीय हैं।

'दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 के अपने राज्य में कार्यान्वयन में सर्वश्रेष्ठ राज्य दिव्यांगजन आयुक्त' श्रेणी के तहत संस्थागत सशक्तिकरण 2022 के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार राज्य आयुक्त दिव्यांगजन हरियाणा को प्रदान किया जाता है।

The Office of State Commissioner for Persons with Disabilities is doing outstanding work in implementing the mandate given under the Rights of Persons with Disabilities Act, 2016. The suo moto, innovative and effective steps taken by the office of State Commissioner Disabilities Haryana in attending to grievances and safeguarding the rights of Persons with Disabilities in the State of Haryana are laudable.

The National Award for Institutional Empowerment 2022 under the category 'Divyangjano Ke Adhikar Adhiniyam, 2016 Ke Apne Rajya Mein Karyanvayan Mein Sarvshrestha Rajya Divayngjan Aayukta' is conferred on the State Commissioner for the Persons with Disabilities Haryana.

दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग
सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय
भारत सरकार
सत्यमेव जयते
75 आज़ादी का अमृत महोत्सव
दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण
के लिए दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016
अधिनियम की प्रमुख विशेषतायें
दिव्यांगता की श्रेणियों को 7 से बढ़ाकर 21 किया गया
बैंचमार्क दिव्यांगजनों के लिए सरकारी नौकरियों में आरक्षण 3 प्रतिशत से बढ़ाकर 4 प्रतिशत किया गया
बैंचमार्क दिव्यांगता वाले प्रत्येक बच्चे (जिनकी आयु 6 से 18 वर्ष) को निःशुल्क शिक्षा का अधिकार
सार्वजनिक भवनों, परिवहन प्रणाली तथा सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी में सुगम्यता के प्रावधान
बैंचमार्क दिव्यांग छात्रों के लिए सरकारी संस्थानों एवं सरकार से सहायता प्राप्त उच्च शैक्षणिक संस्थानों में 5 प्रतिशत आरक्षण
अधिनियम के प्रावधानों का उल्लंघन करने पर दंड के प्रावधान
अधिक जानकारी के लिए वेबसाइट: www.disabilityaffairs.gov.in पर जाएं
सुगम्य भारत अभियान
सुगम्य भारत - सशक्त भारत
स्वावलम्बन
Swavlamban
हमें फॉलो करें
@socialpwds
www.facebook.com/DoEPWDs

Department of Empowerment of Persons with Disabilities (Divyangjan)
Ministry of Social Justice & Empowerment
Government of India
Azadi Ka Amrit Mahotsav
The Rights of
Persons with Disabilities Act, 2016
EMPOWERMENT OF
DIVYANGJAN
HIGHLIGHTS OF THE ACT
Types of disabilities increased from 7 to 21
Reservations for persons with benchmark disability in Government jobs increased from 3% to 4%
Right to free education for every child with benchmark disability (6 to 18 years)
Provisions for accessibility in public buildings, transport system & information Communication Technology
5% reservation for student with benchmark disability in Government/Government aided higher educational institutions
Penal provisions for violation of the provisions of the Act
For details visit website:- www.disabilityaffairs.gov.in
Accessible India Campaign
Follow us on
@socialpwds
www.facebook.com/DoEPWDs

दिव्यांगता के प्रकार
TYPES OF DISABILITIES

1	गतिविषयक दिव्यांगता	Locomotor Disability
2	प्रमस्तिष्क घात	Cerebral Palsy
3	बौनापन	Dwarfism
4	पोशीयदुष्पोषण	Muscular Dystrophy
5	तेजाबी आक्रमण पीड़ित	Acid Attack Victims
6	कुष्ठ रोगमुक्ति व्यक्ति	Leprosy Cured
7	अंधता	Blindness
8	निम्न-दृष्टि	Low Vision
9	श्रवण शक्ति का ह्रास	Hearing Impairment
10	वाक और भाषा दिव्यांगता	Speech and Language Disability
11	बौद्धिक दिव्यांगता	Intellectual Disability
12	विनिर्दिष्ट विद्या दिव्यांगताओं	Specific Learning Disability
13	स्वापरायणता स्पेक्ट्रम विकार	Autism Spectrum Disorder
14	मानसिक रुग्णता	Mental Illness
15	चिरकारी तंत्रिका दशाऐ	Chronic Neurological Conditions
16	बहु-स्केलेरोसिस	Multiple Sclerosis
17	पार्किंसन रोग	Parkinson’s Disease
18	हेमोफीलिया	Haemophilia
19	थेलेसीमिया	Thalassemia
20	सिक्कल कोशिका रोग	Sickle Cell Disease
21	बहुदिव्यांगता	Multiple Disabilities

NOTES